राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 13 जून 2023 वर्ष-6,अंक-139 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# कर्नाटक दांव से मध्य प्रदेश जीतने का प्लान, प्रियंका गांधी जबलपुर में क्यों करने जा रहीं ऐलान?

**नई दिल्ली।** मध्य प्रदेश में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा आज (सोमवार को) जबलपुर से अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करने जा रही हैं। अपनी पांच प्रतिज्ञा या गारंटी और पुरानी पेंशन स्कीम के सहारे कर्नाटक में जीत दर्ज करने वाली कांग्रेस उसी पैटर्न पर मध्य प्रदेश में भी जीत हासिल करना चाहती है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा लाडली बहना योजना की शुरुआत करने के कुछ दिनों बाद प्रियंका गांधी वाड्रा जबलपुर में एक जनसभा को संबोधित करके पार्टी के अभियान की शुरुआत करेंगी। माना जा रहा है कि अभियान को आगे बढ़ाने में वह बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। प्रियंका कांग्रेस के प्रचार अभियान की शुरुआत नर्मदा तट पर पूजा-अर्चना करने के बाद करेंगी। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी।

हालांकि, एमपी कांग्रेस प्रमुख कमलनाथ पहले ही पांच वादों की घोषणा कर चुके हैं। कांग्रेस का चुनावी अभियान उसी पर केंद्रित होगा। इसमें मुफ्त बिजली, कृषि ऋण माफ करना, महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये देना और कुछ अन्य कल्याणकारी उपाय शामिल हैं।

कर्नाटक चुनावों में भी कांग्रेस ने पांच गारंटी का वादा किया था।

जबलपुर राज्य के महाकौशल क्षेत्र का केन्द्र है और यहां आदिवासी मतदाताओं की संख्या बहुत ज्यादा है। 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने आठ जिलों के इस संभाग में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 13 सीटों में से 11 पर जीत हासिल की जबकि शेष दो सीटों पर भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली थी।

जबलपुर के महापौर और कांग्रेस के शहर प्रमुख जगत बहादुर सिंह ने बताया कि प्रियंका सुबह करीब 11.15 बजे शहीद स्मारक में एक जनसभा को संबोधित कर पार्टी के चुनाव अभियान और संकल्प 2023 की शुरुआत करेंगी। वह सुबह करीब 10-30 बजे जबलपुर पहुंचेगीं और नर्मदा नदी की पूजा करने के लिए ग्वारीघाट जाएंगी। उन्होंने कहा कि रैली स्थल के रास्ते में प्रियंका मुगलों से लड़ते हुए शहीद हुई रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगी। उन्होंने कहा कि रैली में कम से कम दो लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है।

उन्होंने दावा किया, महाकौशल क्षेत्र या आठ जिलों वाले जबलपुर संभाग के लोग खुद को भाजपा द्वारा उपेक्षित महसूस करते हैं। हमने इस क्षेत्र में (पिछली बार) अच्छा प्रदर्शन किया था। इस बार चुनाव में हम शानदार प्रदर्शन करने वाले हैं। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने पार्टी के प्रचार अभियान के लिए जबलपुर को क्यों चुना, मध्य प्रदेश से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ वकील विवेक तन्खा ने कहा कि रैली महाकौशल में आयोजित की जा रही है क्योंकि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा इस क्षेत्र से होकर नहीं गुजरी थी।

**प्रियंका ने पार्टी के प्रचार अभियान के लिए जबलपुर को क्यों चुना, इस पर राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि रैली महाकौशल में हो रही है क्योंकि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा यहां नहीं पहुंची थी।**

तन्खा ने कहा, ÷प्रियंका जी मध्य प्रदेश के चुनाव प्रचार में बड़ी भूमिका निभाएंगी। समाज के सभी वर्गों में उनके प्रशंसक हैं, लेकिन महिला मतदाताओं के बीच उनकी विशेष अपील है।÷

उन्होंने कहा,÷महाकौशल क्षेत्र में रैली से पड़ोसी विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्रों में कांग्रेस को मदद मिलेगी। इसके अलावा, महाकोशल में मजबूत सत्ता विरोधी लहर (भाजपा सरकार के खिलाफ) है और कांग्रेस के पारंपरिक आदिवासी मतदाताओं की बड़ी आबादी इस क्षेत्र में रहती है।

मध्य प्रदेश भौगोलिक रूप से छह क्षेत्रों... महाकोशल, ग्वालियर-चंबल, मध्य भारत, निमाड़-मालवा, विंध्य और बुंदेलखंड में विभाजित है। महाकोशल या जबलपुर संभाग में जबलपुर, कटनी, सिवनी, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी और छिंदवाड़ा जिले शामिल हैं और इसमें 38 विधानसभा सीटें हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने इनमें से 24 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि भाजपा 13 सीटों पर जीत हासिल करने में सफल रही थी। एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई थी। वहीं, 2013 के चुनावों में भाजपा ने 24 सीटें जीतीं और कांग्रेस को सिर्फ 13 सीटों पर जीत मिली थी। 2018 में महाकोशल में जीत के बाद कांग्रेस कमलनाथ के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में सरकार बनाने में सक्षम बनी लेकिन, मार्च 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के वफादार विधायकों के भाजपा में शामिल होने के बाद यह सरकार गिर गई।

## गुजरात तट की ओर बढ़ा 'बिपरजॉय', सौराष्ट्र-कच्छ के 6 जिलों पर खतरा; अलर्ट जारी

**नई दिल्ली।** चक्रवाती तूफान बिपरजॉय आने वाले कुछ घंटों में और तेज होने वाला है। मौसम विभाग ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया है। इससे उन राज्यों को राहत मिल सकती है जो इस वक्त भीषण गर्मी की चपेट में है। आने वाले कुछ घंटों में बिपरजॉय गंभीर तूफान में बदलने वाला है और गुजरात तट से टकराने वाला है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को कहा कि 'बिपरजॉय' चक्रवात अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है और 15 जून की दोपहर के आसपास यह सौराष्ट्र-कच्छ तथा इससे सटे पाकिस्तान के तटों से गुजर सकता है। आईएमडी ने कहा कि पूर्वी मध्य अरब सागर के ऊपर सक्रिय बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान ÷बिपरजॉय÷ रविवार सुबह पोरबंदर से लगभग 480 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम, द्वारका से 530 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम और कच्छ में नलिया से 610 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में केंद्रित था।

**15 जून तक सौराष्ट्र-कच्छ तटों के पास न जाने का मिला निर्देश**

क्षेत्रों में मछली पकड़ने संबंधी गतिविधियों को पूरी तरह से रोकने की सलाह दी गई है और मछुआरों को 12 से 15 जून के बीच मध्य अरब सागर और उत्तरी अरब सागर तथा 15 जून तक सौराष्ट्र-कच्छ तटों के पास न जाने का निर्देश दिया गया है। आईएमडी ने समुद्र में गए लोगों को तट पर लौटने और अपतटीय एवं तटवर्ती गतिविधियों को विवेकपूर्ण ढंग से नियंत्रित करने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने कहा, ''उपरोक्त जानकारी के मद्देनजर, राज्य सरकारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखें, नियमित रूप से स्थिति की निगरानी करें और उचित एहतियाती कदम उठाएं। जिला अधिकारियों को स्थिति के अनुसार कदम उठाने की सलाह दी जाती है।'' मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवाती तूफान बिपरजॉय गुजरात के कच्छ जिले से गुजरेगा जो 15 जून को पाकिस्तान के कराची तट तक पहुंच सकता है।

## बारिश में भीगने को रहें तैयार, दिल्ली-एनसीआर में 15-16 जून को बूंदाबांदी के आसार

**नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर में तपिश वाली गर्मी से तीन दिन बाद राहत मिलने के आसार हैं। 15-16 जून को दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार को अधिकतम 40 और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, जबकि हवा की गति 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रहेगी।

**दिल्ली में आज आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान**-राजधानी दिल्ली में रविवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहे और अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 38.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार शहर में सोमवार को भी ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि दिन के समय तेज हवाएं चलेंगी और अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40 और 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। आईएमडी ने अगले कुछ दिनों में दिल्ली में आसमान के साफ रहने और शुष्क मौसम का अनुमान जताया है।

**दो दिन बाद हवा गर्मी से दिलाएगी राहत**

दिल्ली में हवा बदलने वाली है। मौसम विभाग का कहना है कि 14 जून के बाद दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में हवा की दिशा दक्षिणी-पश्चिमी हो जाएगी। यह हवा अपने साथ अरब सागर की नमी लेकर आएगी, जिससे बारिश की स्थितियां बनेंगी। फिलहाल, वातावरण में बनी नमी और तेज हवाओं ने राजधानी को भीषण गर्मी से राहत दी है।

## नोएडा आने-जाने वालों को जाम से मिलेगा छुटकारा, वाहनों के लिए जल्द खुलने जा रहा पर्थला फ्लाईओवर

**नोएडा।** नोएडा में पर्थला गोलचक्कर को संवारने का काम तेजी से चल रहा है। सड़क को नए तरीके से बना लिया गया है। उद्यान से संबंधित काम भी तेजी से हो रहा है जो एक-दो दिन में पूरा हो जाएगा। ऐसे में दो से तीन दिन में गोलचक्कर को वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा। करीब एक साल से इसका आधा हिस्सा बंद है। ऐसे में लोगों को लंबा चक्कर काटकर आना-जाना पड़ता है। गोलचक्कर के ऊपर सिग्नेचर ब्रिज बनाने का काम चल रहा है। सिग्नेचर ब्रिज का काम भी लगभग पूरा हो गया है। ब्रिज के नीचे गोलचक्कर कई साल पहले बना था। ऐसे में यह

काफी जगह क्षतिग्रस्त हो गया था। करीब 10 दिन पहले नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ऋतु माहेश्वरी ने यहां का दौरा कर गोलचक्कर को बेहतर बनाने के निर्देश दिए थे। अब इसी काम में प्राधिकरण जुटा हुआ है। इसके चारों ओर नए सिरे से सड़क बनाई गई है। अब उद्यान से संबंधित काम किया जा रहा है। आने वाले समय में यहां फाउंटेन भी लगेगा। अधिकारियों ने बताया कि बचा काम एक-दो दिन में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद जैसे ही आला अधिकारी निर्देश देंगे, इसको वाहनों के खोल देंगे।

**जाम और काम से बंद था**- इस गोलचक्कर पर आए दिन जाम की समस्या होती है। इसको देखते हुए ग्रेटर नोएडा के आधे हिस्से को करीब डेढ़ साल पहले जाम की समस्या में कमी लाने के लिए बंद किया गया था। ऐसे में सेक्टर-71 या एफएनजी पर छिजारसी से आकर सोरखा की ओर जाने के लिए किसान चौक की ओर चलकर हिंडन पुल पर जाकर यूटर्न लेने के बाद जाना पड़ता है, जबकि गोलचक्कर के नोएडा की ओर हिस्से को सिग्नेचर ब्रिज के काम के लिए बंद किया गया था। ऐसे में ग्रेटर नोएडा या सोरखा की ओर से आकर एफएनजी पर छिजारसी की ओर जाने के लिए सफाबाद गांव के सामने बने यूटर्न से होकर जाना पड़ता है।

## पालतू कुत्ते के भौंकने पर बड़ा बवाल, 3 लोगों को मार दी गोली; 2 की चली गई जान

**इंदौर।** मध्य प्रदेश के देवास में रविवार सुबह कुत्ते के भौंकने को लेकर हुए विवाद में दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक घायल हो गया। देवास के सतवास इलाके पालतू कुत्ते के भौंकने पर दो पक्ष आमने सामने आ गई। विवाद इतना बढ़ा कि गोलीबारी हो गई। गोली लगने से दो लोगों की जान चली गई। देवास के एएसपी मंजीत सिंह ने बताया कि गोला गुथान गांव में गोदारा और देदाध परिवार के बीच गोलीबारी हुई। उन्होंने कहा, राजेश गोदारा रविवार सुबह अपने पालतू कुत्ते को घुमाने ले गए थे। जब वे घर वापस आ रहे थे तो कुत्ता देदाध परिवार के एक सदस्य पर भौंकने लगा। इसके बाद दोनों पक्षों में टकराव हो गया। बात इतनी आगे बढ़ गई कि गोदारा परिवार के तीन लोगों को गोली मार दी गई। अधिकारी ने बताया कि राजेश की मौके पर ही मौत हो गई। कैलाश गोदारा ने अस्पताल जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया जबकि तीसरे पीड़ित को इंदौर रेफर किया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि कानून व्यवस्था को कायम रखने के लिए पुलिस की तैनाती की गई है। सात में से दो आरोपियों वरुण और राजेश देदाध को हिरासत में लिया गया है और जांच की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि कैलाश गोदारा भारतीय

जनता युवा मोर्चा के जिला महासचिव अनिल गोदारा के पिता हैं। घटना के बाद आसपास के दूसरे थानों से भी फोर्स बुलाकर तैनाती की गई है। गोलीबारी के कुछ देर बाद जिला प्रशासन और म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ने आरोपी के कुछ अवैध निर्माण को भी ढहा दिया।

## गाजियाबाद के लोनी में व्यवसायी का 4 मंजिला घर बना आग का गोला, 2 महिलाओं की मौत

**गाजियाबाद।** राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद जिले के लोनी की लाल बाग कॉलोनी में सोमवार सुबह एक टेंट व्यवसायी के चार मंजिला घर में भीषण आग लगने के बाद अंदर फंसी दो महिलाओं की धुएं में दम घुटने से मौत हो गई। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के बाद दोनों महिलाओं को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, लोनी बॉर्डर थाने की लाल बाग कॉलोनी में टेंट व्यवसाई सतीश के घर में सोमवार सुबह करीब 5-30 बजे आग लग गई। इसके चलते दम घुटने से सतीश की मां बरतो देवी (70) तथा बहन ममता (42) की मौत हो गई। ट्रॉनिका सिटी और

साहिबाबाद से गई दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया गया है कि घर में आग लगन से 2 मिनट पहले ही सतीश की पत्नी कुसुम रोजाना की तरह मंदिर चली गई थी, जबकि सतीश अपनी मां और बहन के साथ मकान की पहली मंजिल पर सोए हुए थे। मकान में धुआं फैलने के बाद वह नींद से जागा और शोर मचाता हुआ मकान की छत पर पहुंचकर पड़ोसी के मकान से उतरकर नीचे आ गया, लेकिन हड़बड़ी में उसकी मां और बहन नीचे की तरफ भागीं और धुएं से दम घुटने कारण वहीं बेहोश होकर गिर पड़ीं। दम घुटने से कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के बाद दोनों महिलाओं के शवों को निकाल लिया है। राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद जिले के लोनी की लाल बाग कॉलोनी में सोमवार सुबह एक टेंट व्यवसायी के चार मंजिला घर में भीषण आग लगने के बाद अंदर फंसी दो महिलाओं की धुएं में दम घुटने से मौत हो गई। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के बाद दोनों महिलाओं को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, लोनी बॉर्डर थाने की लाल बाग कॉलोनी में टेंट व्यवसाई सतीश के घर में सोमवार सुबह करीब 5-30 बजे आग लग गई। इसके चलते दम घुटने से सतीश की मां बरतो देवी (70) तथा बहन ममता (42) की मौत हो गई। ट्रॉनिका सिटी और साहिबाबाद से गई दमकल विभाग की तीन गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया गया है कि घर में आग लगन से 2 मिनट पहले ही सतीश की पत्नी कुसुम रोजाना की तरह मंदिर चली गई थी, जबकि सतीश अपनी मां और बहन के साथ मकान की पहली मंजिल पर सोए हुए थे।

# इंसानों की ही तरह जानवरों में भी होते हैं इमोशन और फीलिंग्स-बॉम्बे हाई कोर्ट

**नई दिल्ली।** बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने कहा है कि जानवरों में भी इंसानों की तरह इमोशन और फीलिंग्स होते हैं, इसलिए जानवरों की क्रूरता से संबंधित मामलों को बड़ी संवेदनशीलता के साथ निपटाया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि चूंकि जानवर अपने अधिकारों की बात कर नहीं सकते इसलिए उनसे जुड़े मामलों की सुनवाई में मानवीय संवेदनशीलता की जरूरत है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस जीए सनाप की सिंगल बेंच ने कहा कि चूंकि जानवर बोल नहीं सकते इसलिए वे अपने अधिकारों की मांग नहीं कर सकते हैं।

जस्टिस सनाप ने टिप्पणी की, जानवरों में इंसान के समान ही भावनाएं और इंद्रियां होती हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि जानवर बोल नहीं सकते। हालांकि उनके अधिकारों को कानून के तहत मान्यता प्राप्त है लेकिन वे उसका दावा नहीं कर सकते। इसलिए, जानवरों के अधिकार, जानवरों के कल्याण और जानवरों की सुरक्षा का ध्यान कानून के अनुसार संबंधित पक्षों को रखना होगा। यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि जानवरों के प्रति किसी भी रूप में क्रूरता के मामले पर विचार करते

हुए केस को बड़ी संवेदनशीलता के साथ देखा जाना चाहिए और उसी के अनुसार उसमें फैसला किया जाना चाहिए। अदालत की यह टिप्पणी 39 गोवंश की कस्टडी के लिए आवेदन करने वाले कुछ लोगों की याचिका पर सुनवाई के दौरान आई। याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि उसके पास उन जानवरों की बिक्री और खरीद का लाइसेंस है। इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने अवैध और अमानवीय तरीके से ट्रकों में ले जाए जा रहे इन पशुओं को पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत जब्त कर लिया था। उस कार्रवाई को अदालत में चुनौती दी गई थी।

याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट से पशुओं की कस्टडी की मांग की थी और दलील दी थी कि वह किसी अपराध में आरोपी नहीं हैं। इससे पहले उनकी याचिका नागपुर की अदालत ने खारिज कर दी थी और नागपुर की सत्र जिला न्यायालय ने भी उसे खारिज कर दिया था। उसे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि चूंकि मामले पर अंतिम फैसला आने में अभी समय लग सकता है।लिहाजा, जानवरों को अंतरिम रूप से उन्हें वापस सौंप दिया जाया। ताकि याचिकाकर्ता को दुहने से होने वाली आय का लाभ मिल सके।

कोर्ट ने कहा कि ढोए जा रहे पशुओं की संख्या वाहनों की क्षमता और पशु परिवहन नियम, 1978 के तहत निर्धारित सीमा से अधिक थी। ट्रकों में नियमानुसार चारे-पानी की भी व्यवस्था नहीं थी। जस्टिस सनाप ने सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि जानवरों के प्रति क्रूरता के आरोपों से जुड़े मामलों में, जानवरों को उसके मालिकों के हिरासत में सौंपना उचित नहीं है। हाई कोर्ट ने इसी आधार पर याचिकाकर्ताओं को जानवरों की कस्टडी देने से इनकार कर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संपादकीय

### कनाडा की जवाबदेही

यूं तो कनाडा की धरती से भारत विरोधी गतिविधियों की खबरें अक्सर आती रहती हैं लेकिन बीते सप्ताह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकालने की घटना ने सभी हदें पार कर दी। जो बताती है कि कनाडा में भारत विरोधी पृथकतावादियों के हौसले कितने बुलंद हैं और उन्हें सत्ता में शामिल लोगों का संरक्षण मिला हुआ है। चार जून को हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हर भारतीय राष्ट्रवादी उद्वेलित हुआ है। जिसके चलते भारत सरकार ने भी घटना का कड़ा प्रतिवाद किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कड़े शब्दों में कहा है कि ये घटना न तो भारत-कनाडा संबंधों के लिये और न ही कनाडा के लिये ठीक है। यूं तो कहने के लिये भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरन मैक ने इस घटना की निंदा की है, और कहा है कि उनके देश में हिंसा व नफरत के महिमामंडन के लिये कोई स्थान नहीं है। लेकिन वहीं कनाडा सरकार के एक मंत्री ने भारत पर उसके अंदरूनी मामलों में दखल देने का कुतर्क दोहराया है। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथकतावाद और हिंसा की तपिश का ताप देर-सवेर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। दुनिया के कई देशों ने ऐसे कृत्यों को संरक्षण की कालांतर कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरानों को जितनी जल्दी हो सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगाववादियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि कभी वे पृथक देश के मुद्दे पर जनमत संग्रह की बात करते हैं, कभी भारतीय उच्चायोग को घेरते हैं, भारतीयों पर हमले करते तो कभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। जिसको देखकर भी कनाडा सरकार चुप्पी साध लेती है। दरअसल, अलगाववादी उस स्याह सच पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं जिसकी बड़ी कीमत पंजाब ने चुकायी है। बड़ी कुर्बानी देकर पंजाब आज शांत माहौल में प्रगति के नये आयाम स्थापित कर रहा है। निस्संदेह, ऐसा भी नहीं है कि कनाडा में रहने वाले सारे भारतीय मूल के लोग अलगाववाद के पक्षधर हैं। आज कनाडा विकास के जो नये मानक स्थापित कर रहा है उसमें पंजाब के लोगों का बड़ा योगदान है। लेकिन सकारात्मकता और नकारात्मकता के बीच स्पष्ट विभाजन जरूरी है। विडंबना यह है कि वोट बैंक की पॉलिटिक्स के चलते कनाडा सरकार चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने से गुरेज कर रही है। दरअसल, पंजाब मूल के लोगों के वर्चस्व वाले एक राजनीतिक दल का टूडो सरकार की बैशाखी होना भी इस तरह की घटनाओं के प्रति वहां सरकार की अनदेखी की एक वजह है। इस दल में भी अलगाववादियों का दबदबा बताया जाता है। जाहिर है जब तक भारत कनाडा सरकार पर कूटनीतिक दबाव नहीं बनायेगा तब तक इन बेलगाम हरकतों पर काबू पाना मुश्किल होगा, तब तक ब्रैंपटन शहर जैसी परेड की घटनाएं दोहरायी जाती रहेंगी। जो किसी भी सभ्य समाज को परेशान करती रहेंगी। इतना ही नहीं कनाडा की धरती से जो भारत विरोधी गतिविधियों व अपराध का संचालन हो रहा है उसे रोकने के लिये भी केंद्र सरकार को सजग रहना होगा। वहीं दूसरी ओर कनाडा में पढ़ने गये सात सौ के करीब छात्रों के भविष्य को लेकर उठ रहे सवाल भी परेशान करने वाले हैं। एजेंटों की धोखाधड़ी से कनाडा गये ये छात्र पढ़ाई के बाद कनाडा में नौकरी भी कर रहे हैं। लेकिन जब उन्होंने स्थायी नागरिकता के लिये आवेदन किया तो पाया गया कि उनके कागज जाली थे।

## आज का राशीफल

**मेष** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

**वृषभ** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

**मिथुन** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

**कर्क** पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

**सिंह** व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

**कन्या** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

**तुला** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

**वृश्चिक** आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**धनु** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**मकर** राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

**कुम्भ** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

**मीन** कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

# विश्व रक्त दाता दिवस

**14 जून को पूरे विश्व के बहुत सारे देशों में लोगों के द्वारा हर वर्ष विश्व रक्त दाता दिवस मनाया जाता है। इसे हर वर्ष 14 जून को 1868 में पैदा हुए कार्ल लैंडस्टेनर के जन्मदिन पर मनाया जाता है। स्वस्थ व्यक्ति के द्वारा स्वेच्छा से और बिना पैसे के सुरक्षित रक्त दाता (इसके उत्पाद सहित) की जरुरत के बारे में लोगों की जागरुकता बढ़ाने के लक्ष्य से वर्ष 2004 में पहली बार इस कार्यक्रम को मनाने की शुरुआत की गयी थी।**

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

हमारे देश में क्या पूरे विश्व में दान का बहुत महत्व हैं। दान देने से हमारे अंदर परोपकार के भाव आते हैं ,दान कई प्रकार के होते हैं। मोटे रूप में चार प्रकार के वर्णित हैं औषध, शास्त्र, अभय, आहार दान होते हैं जिनमे औषध दान प्रथम दान माना जाता हैं। उसका कारण स्वास्थ्य तंरुस्त होने पर हम धर्म अर्थ काम और मोक्ष की प्राप्ति कर सकते हैं। शास्त्र दान यानी ज्ञान दान इसके लिए पढ़ाना ,स्कूल कॉलेज खोलना ,निर्बल कमजोर को बचाना यह अभय दान के अंतरगत आता हैं और अंत में आहार दान। यानी भूखे लोगों को भोजन आदि कराना। इस समय औषध दान और आहार दान की महिमा कोरोना के लॉक डाउन में देखने मिला।

रक्तदान का महत्व जब कोई असाध्य होता हैं ,रक्त स्राव अधिक होता हैं ,कोई शल्य क्रिया में इसकी आवश्यकता अधिक होती हैं। उस समय रेक बहुत बहुमूल्य होता हैं और रक्त किसी जात-- पात ,देश -विदेश, दोस्त दुश्मन की सीमाओं से ऊपर उठाकर अपना काम करता हैं।

14 जून को पूरे विश्व के बहुत सारे देशों में लोगों के द्वारा हर वर्ष विश्व रक्त दाता दिवस मनाया जाता है। इसे हर वर्ष 14 जून को 1868 में पैदा हुए कार्ल लैंडस्टेनर के जन्मदिन पर मनाया जाता है। स्वस्थ व्यक्ति के द्वारा स्वेच्छा से और बिना पैसे के सुरक्षित रक्त दाता (इसके उत्पाद सहित) की जरुरत के बारे में लोगों की जागरुकता बढ़ाने के लक्ष्य से वर्ष 2004 में पहली बार इस कार्यक्रम को मनाने की शुरुआत की गयी थी। रक्त दाता इस दिन एक मुख्य भूमिका में होता है क्योंकि वो जरुरतमंद व्यक्ति को जीवन बचाने वाला रक्त दान करते हैं।

वर्ष 2004 में 'विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस संघ तथा रेड क्रिसेंट समाज' के द्वारा 14 जून को वार्षिक तौर पर मनाने के लिये पहली बार इसकी शुरुआत और स्थापना हुयी। पर्याप्त रक्त आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिये सुरक्षित और बिना भुगतान वाले रक्त दाता, स्वेच्छा से रक्त-दान देने वाले को बढ़ावा देने, अपने बहुमूल्य कदम के लिये रक्त-दान करने वाले को धन्यवाद कहने के लिये पूरे विश्व के सभी देशों को प्रोत्साहित करने के लिये 58वें विश्व स्वास्थ्य सम्मेलन में 2005 में मई महीने में इसके 192 सदस्य राज्यों के साथ डबल्यूएचओ के द्वारा विश्व रक्त दाता दिवस की आधिकारिक रुप से स्थापना की गयी थी।

कार्ल लैंडस्टेनर (एक महान वैज्ञानिक जिन्होंने एबीओ रक्त समूह तंत्र के अपने महान खोज के लिये नोबल पुरस्कार प्राप्त किया है) के जन्मदिवस को याद करने के लिये साथ ही साथ राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर इसको मनाने के लिये सभी रक्त दाताओं को एक अनमोल मौका प्रदान करने के लिये विश्व रक्त दाता दिवस लाता है।

विश्व रक्त दाता दिवस के कुछ उद्देश्य

2020 तक पूरी दुनिया के स्वैच्छिक और बिना भुगतान वाले रक्त दाता से पर्याप्त रक्त आपूर्ति को प्राप्त करने का लक्ष्य विश्व स्वास्थ्य संगठन का है।

आँकड़ों के अनुसार, ये ध्यान देने योग्य है कि स्वैच्छिक और बिना भुगतान वाले रक्त दाताओं से पर्याप्त रक्त आपूर्ति केवल 62 देश ही प्राप्त कर रहें हैं जबकि 40 देश अभी भी मरीज के पारिवारिक सदस्य या पैसे से दान देने वालों पर खून देने के लिये निर्भर है। पूरे विश्व के बचे हुए देशों में स्वैच्छिक रक्त दाताओं को प्रोत्साहित करने के लिये इसे मनाया जाता है।

रक्त प्राप्तकर्ता के लिये रक्त दान क्रिया को एक अनमोल उपहार और नया जीवन पाना है। लोगों की कहानियों को सभी देशों में दर्शाने के साथ बहुत सारी गतिविधियों को आयोजित करने के द्वारा डबल्यूएचओ ये अभियान चलाता है जिसे अपने दिल की धड़कन को जारी रखने के लिये तुरंत रक्त दान की जरुरत होती है। पूरे विश्वभर में लाखों जीवन बचाने के लिये स्वैच्छिक और बिना भुगतान वाले रक्त दाताओं को धन्यवाद कहने के लिये इसे मनाया जाता है। पूरे विश्वभर में 100न स्वैच्छिक और बिना भुगतान वाले रक्त दाताओं की जरुरत को पूरा करने के लिये इसे मनाया जाता है।

माताओं और बच्चों के जीवन को बचाने के लिये सुरक्षित रक्त दान के लिये रक्त दान करने वालों को प्रेरित करने के लिये इसे मनाया जाता है। अपर्याप्त रक्त की आपूर्ति के कारण मृत्यु-दर को कम करने के लिये इसे मनाया जाता है। लगभग 800 महिलाएँ की कुपोषण गर्भावस्था, बच्चे के जन्म से संबंधित जटिलताओं, बच्चे के जन्म के दौरान अत्यधिक रक्तस्त्राव आदि के कारण मौत हो जाती है। रक्त आधाव सेवाओं को मजबूत करने के लिये शिक्षण कार्यक्रम और अभियानों के द्वारा स्वैच्छिक रक्त दाताओं को प्रोत्साहित करना।

**विश्व रक्त दाता दिवस कैसे मनाया जाता है**

पूरे विश्वभर में रक्त दान के महत्व के साथ ही साथ सुरक्षित रक्त आधान की जरुरत के लिये लोगों को जागरुक बनाने के लिये हर वर्ष विश्व रक्त दाता दिवस को मनाया जाता है। इसे मनाने के लिये राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ढ़ेर सारी क्रिया-कलाप और कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

स्वास्थ्य देख-भाल संगठन जैसे 'विश्व स्वास्थ्य संगठन, रेड क्रॉस अंतरराष्ट्रीय संघ और रेड क्रीसेंट समाज (आईएफआरसी), रक्त दाता संगठन का अंतरराष्ट्रीय संघ (आईएफबीडीओ) और रक्त आधान का अंतरराष्ट्रीय समाज (आईएसबीटी)' वैश्विक स्तर पर लोगों को प्रोत्साहित करने के लिये तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिये एक-साथ काम करती हैं। बहुत वर्षों से यूरोप के परिषद के द्वारा अभियान को मनाने की तैयारी की जाती है। पूरे विश्वभर में लगभग 92 मिलियन लोगों के द्वारा रक्त दान करने के बावजूद सुरक्षित रक्त आधान की जरुरत दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक स्थलों, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और दूसरे शैक्षणिक संस्थानों में क्रिया-कलापों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन, सभा, परिचर्चा, बहस, प्रश्न-उत्तर प्रतियोगिता, समाचार पत्रों में संबंधित लेखों और कहानियों का प्रकाशन, वैज्ञानिक सम्मेलन, पूरे विश्वभर में लेखों का प्रकाशन, अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक जर्नल, खेल क्रिया-कलाप और दूसरी विज्ञापन-संबंधी गतिविधियाँ शामिल रहती हैं। वर्तमान में हर क़स्बा ,शहर महानगरों में अनेक संस्थाएं रक्तदाता की सूचि तैयार रखते हैं और जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराते हैं। जीवनदान सर्वश्रेष्ठ दान होता हैं ,पर आजकल व्यापारीकरण होने से इसकी शुचिता समाप्त होती जा रही हैं। इस वर्ष विश्व रक्त दाता दिवस के लिए मेजबान देश रवांडा था। इस गौरवपूर्ण अवसर के लिए वैश्विक कार्यक्रम का आयोजन 14 जून को किगाली, रवांडा में हुआ। जो जितना कर सके रक्तदान ,कब न जाने किसको जरुरत पड़ जाए और आप भगवान् जैसे उसके लिए बन जाये। यथाशक्ति स्वेच्छा से इस पुण्यपर्व में अवश्य योगदान दे।

# अध्यात्म ज्ञान की दिव्य विभूति है राजयोगिनी बीके उषा ने!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन )

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी उषा आध्यात्मिक जगत का एक ऐसा नाम है, जो रामायण, श्रीमदभागवत गीता,बाइबिल, कुरान ,गुरुग्रंथ साहिब के अध्ययन वेत्ताओं में सबसे पहले आता है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके उषा की आध्यात्मिक कक्षाओं में शामिल होने के लिए जिज्ञासु लालायित रहते है।प्रायः डेढ़ घण्टे का जब उनका व्याख्यान होता है तो सभी शांतचित्त होकर न सिर्फ सुनते है,बल्कि आत्मसात भी करते है।ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय माउंट आबू में हाल ही में हुए अखिल भारतीय संत सम्मेलन में देशभर से आए विभिन्न मठो,अखाड़ो,आश्रमो के संत राजयोगिनी उषा के परमात्मा विषयक यथार्थवादी तर्कसंगत उदबोधन को सुनकर उनके सामने नतमस्तक हो गए,यही सम्मेलन की सफलता भी कही जा सकती है।राजयोगिनी उषा जिन्हें ब्रह्माकुमारीज संस्था से जुड़ी विदुषी मां के माध्यम से बचपन मे ही स्वयं का व परमात्मा का ज्ञान हो गया था,ने अपने राजयोग अभ्यास द्वारा ईश्वरीय याद में रहकर प्रसिद्धि की ऊंचाइयों को छुआ।बिहार विधानसभा में उनके द्वारा कराए गए राजयोग से विधानसभा अध्यक्ष व सभी विधायक इतने प्रभावित हुए की,उन्होंने माउंट आबू जाकर आवासीय राजयोग प्रशिक्षण प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की,साथ ही बीके उषा का सम्मान भी किया।ब्रह्माकुमारी उषा द्वारा पिछले कई दशकों से हिंदी भाषा को आधार बनाकर दिए जा रहे रूहानी व आध्यात्मिक ज्ञान के साथ ही उनके द्वारा अध्यात्म की ओर ...व स्वप्रबधन पुस्तक लेखन तथा उनके द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर की जा रही हिंदी सेवा के तहत ब्रह्माकुमारी उषा को विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ भागलपुर(बिहार) ने विद्या वाचस्पति मानद सम्मान से विभूषित किया है।इस सम्मान प्राप्ति के अवसर पर उपस्थित रहे ब्रह्माकुमारीज संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके ब्रजमोहन भाई,कार्यकारी सचिव बीके मृतुन्जय भाई व धर्म प्रभाग प्रमुख बीके मनोरमा ने बीके उषा को इस सम्मान के योग्य बताया और कहा कि इससे उन्हें जीवन मे एक नए सुख की अनुभूति होगी,जो ईश्वरीय सेवा के लिए कारगर सिद्ध होगी।ब्रह्माकुमारी उषा यूं तो दक्षिण अफ्रीका में जन्मी है और वही उन्हें ब्रह्माकुमारीज के माध्यम से ईश्वरीय ज्ञान प्राप्त हुआ।लेकिन ईश्वरीय सेवा में समर्पित होने के लिए उन्हें मां ने ही प्रेरित किया।दक्षिण अफ्रीका में पिताजी के डियूटी पर चले जाने पर घर मे अकेली मां श्रीमदभागवत गीता पद्धति रहती थी,जिसका लाभ उषा को अभिमन्यु की तरह हुआ और उनमें सुसंस्कार समाहित हो गए।जिस समय उषा का परिवार भारत वापिस आया,उस समय उषा की आयु मात्र 12 वर्ष की थी,फिर पढ़ाई के लिए हॉस्टल भी रही।लेकिन ईश्वरीय संस्कार उनके साथ साथ चलते रहे। मां जहां उनकी पथप्रदर्शक है वही परमात्मा उन्हें अपनी सेवाओं के लिए उंगली पकड़ कर चलाते है।तभी तो वे आज ब्रह्माकुमारीज का चेहरा बनकर देश विदेश की अध्यात्म सेवा कर पा रही है।बीके उषा कहती है कि उन्हें आज तक जो भी सम्मान व उपलब्धि प्राप्त हुई है उन सबका श्रेय परमात्मा शिव को ही जाता है।वे तो निमित्त मात्र रूप में जो जो भी परमात्मा शिव कराते है,वही करती जाती हूं। भारत की मिटटी से हजारों मील दूर अफ्रीका में जन्मी बीके उषा देश दुनिया में सुसस्कारों की संवाहक बनी है। राजयोगिनी ब्रहमाकुमारी उषा ने अफ्रीका में जन्म लेने के बाद भी न सिर्फ स्वंय बल्कि दुसरों को भी सन्मार्ग पर लेकर चलने का बीडा उठाया और ब्रहमाकुमारीज के प्रति समर्पित होकर राह भटके लोगो के जीवन में रोनी लाने का काम किया और आज भी कर रही है।

दरअसल राजयोगिनी उषा के सस्कारों की कहानी भी महाभारत के अभिमन्यू जैसी है जिस प्रकार अभिमन्यू को मां के गर्भ में रहते हुए चक्रव्यहू का ज्ञान मिला था ,उसी प्रकार राजयोगिनी उषा को भी मां के गर्भकाल से ही गीता ज्ञान प्राप्त हुआ। उषा की मां अफ्रीका में दिनभर धर में अकेली रहती थी। क्योकि पिता डयूटी पर चले जाया करते थे। वहां की भाषा न जानने के कारण मां अपना समय गीता पढकर व्यतीत करती थी। जिसका प्रभाव मां के गर्भ में रहते हुए बेटी उषा पर भी अभिमन्यू की तरह पडा तभी तो उषा जन्म लेने के बाद बचपन से ही धार्मिक रूचि रखने लगी,मां ने घर में उषा को धार्मिक कहानियां सुनाकर उसे सुसस्कारवान बनाया और मां की प्रेरणा से ही मात्र 12 वां की आयु में भारत आने के बाद सन 1980 से ब्रहमाकुमारीज के प्रति समर्पित होकर उषा ईश्वरीय ज्ञान से जुड गई और राजयोगिनी उषा बन गई।

बी0के0 उषा से जब पूछा गया कि इस समय भक्ति और अपराध दोनो का ही ग्राफ बढ रहा है,ऐसा क्यों है,जिस पर बी0के0 उषा ने कहा कि भक्ति मीरा जैसी नही रही । मीरा की भक्ति निस्वार्थ थी जबकि आज की भक्ति स्वार्थ की रह गई है। जो स्वयं को भक्त बताते है वह परमात्मा से भी भक्ति के बदले प्रतिफल चाहते है। लेकिन मीरा ने कभी भक्ति का प्रतिफल नही चाहा,वह तो मेरे तो गिरधर गोपाल दुसरा न कोई यानि हद से परे की भक्ति करती थी ।स्वार्थभाव से भक्ति के कारण ही भक्तों का सम्बंध परमात्मा से नही जुड पा रहा है। इसी कारण आचरण में सुधार न हो पाने के कारण चरित्र निर्माण नही हो पा रहा है। ऐसे भक्तों को सही गाईड करने वाला भी नही है। यही कारण है कि भक्ति दिखावे को तो बढी है परन्तु वास्तव में परमात्मा की जो भक्ति ईवरीय ज्ञान प्राप्त करके की जानी चाहिए थी वह नही हो पाई तभी तो भक्ति निस्प्रभावी हो गई और सस्कारों में सुधार न होने के कारण और मनुय के विकारों से ग्रस्त होने के कारण अपराध भी लगातार बढ रहे है।

बी0 के0 उषा ने बताया कि आज राह भटके लोगो को सन्मार्ग पर लाने के लिए सही गाइड की जरूरत है। जो ज्ञान शास्त्रों में लुप्त है उसे परमात्मा से प्राप्त करने के लिए स्वयं को और परमात्मा को जानने की जरूरत है। वे कहती है कि जब हम मन्दिर जाते है तो पति पत्नी भी कहते है तुम मात पिता हम बालक तेरे यानि चाहे पति पत्नी हो या भाई बहन अथवा माता पिता सभी परमात्मा की संतान है अर्थात परमात्मा के बच्चे है। हम सब ज्योति बिन्दू स्वरूप आत्मा है और परमात्मा भी ज्योति बिन्दू स्वरूप ही है और आत्मा से परमात्मा का मिलन बनाने के लिए मेडिटेान अर्थात राजयोग की शिक्षा ब्रह्माकुमारीज द्वारा दी जाती है। जिसके तहत विकारों को त्यागकर पवित्र और पावन बनने का पाठ भी पढाया जाता है।

ब्रहमाकुमारी उषा बताती है कि ग्रहस्थ में रहकर भी ईश्वरीय याद में रहा जा सकता है , पवित्र व पावन बनकर परमात्मा का साक्षात्कार किया जा सकता है। क्योंकि ग्रहस्थ का मतलब विकारों के दलदल में फंसना नही है बल्कि उससे ऊपर उठकर परमात्मा की लो अपने अन्दर जलाये रखना है। तभी हम सुख और शांति का अनुभव कर सकते है।

बी0 के0 उषा के द्वारा की जा रही ईश्वरीय सेवा के परिणाम स्वरूप जहां कई डिप्रेशन के रोगी ठीक हुए है वही नशे की लत के रोगियों को नशा छोडने में उनकी मदद मिली है जिससे उनके जीवन में खुशियां लौट सकी। उनके ईश्वरीय ज्ञान को सुनकर जेबकतरों तक का जीवन बदल गया और डाकू तक हथियार छोडकर परमात्मा का ज्ञान प्राप्त करने लगे। (लेखक आध्यात्मिक चिंतक वरिष्ठ पत्रकार है)

# गौरैया को बचाएं, प्रकृति के प्रति फर्ज निभाएं

**चुन-चुन करती आई चिड़िया**

**- भूपेन्द्र तिवारी**

कुदरत ने सुंदर संसार को रचा है जिसमें फूलों की सुगंध है, फलों में मिठास है, आसमान में परवाज़ भरने वाले पंछी हैं, पानी में क्रीड़ा करने वाले जलचर हैं, उछलती उमगती किलकती चंचल नदियां हैं, तुषार धवल पर्वत हैं, नाना श्रृंगार किए वन और झूमती फसलों पर मंडराती तितलियां हैं, झिमिर-झिमीर बरखा है, बसंत है, बहार है, और प्यारी-प्यारी गौरैया है। चीं,चीं की आवाज़ करती, मुँह में तिनके दबाये आवाजाही करती खूबसूरत, मासूम, प्यारी सी गौरैया हम सबने देखी है। बचपन से इसे देखते हुए ही हम बड़े हुए हैं। पिछले कुछ समय से इंसानों द्वारा पर्यावरण से घातक छेड़छाड़ की गई, निजी स्वार्थों को सिद्ध करने हेतु भारी नुकसान पहुंचाया गया है। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण आदि के चलते इस नन्हे जीव के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अब ये नन्ही चिड़िया बहुत कम दिखती है और कहीं-कहीं तो बिलकुल नहीं दिखती। घरों के रोशनदानों में अपने घरों को सहेजती, आंगन को गुलजार करती, बच्चों को चुग्गा खिलाती गौरैया ने हम सबके मन को मोहा है। गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी की कमी आई है। ये संपूर्ण विश्व में ये पाई जाती है। गौरैया का वैज्ञानिक नाम पासर डोमेस्टिक है। कीड़े एवम अनाज इसका भोजन है। इसे शहरों की अपेक्षा गांव अधिक प्रिय हैं।सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद दिलावरजी जैसे लोगां के प्रयासों की वजह से संपूर्ण विश्व में 20 मार्च को गौरैया दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस नन्हे पक्षी के संरक्षण की आज महती आवश्यकता है। वृक्षों की अंधाधुंध कटाई, कीटनाशकों का प्रयोग, कानफाडू आवाजों आदि के चलते नन्ही गौरैया पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।प्रकृति और हम इंसानों में संतुलन को बरकरार रखे रहने के लिए हमें प्रकृति, जीव जगत के संरक्षण हेतु कटिबद्ध होकर मुहिम चलानी पड़ेगी। हर घर में, ऑफिस में, मंदिर-मस्जिद-गुरुद्वारों में इनके रहने, खाने का उचित प्रबंध करना पड़ेगा। इनके लिए बर्ड फीडर लगाए जाएं, पानी हेतु मिट्टी के बर्तन रखे जाएं, प्रदूषण रोकथाम के प्रयास किए जाएं। हर साल 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाने की परंपरा भी रही है। लेकिन इस दिशा में हो रहे प्रयासों की सार्थकता तभी सिद्ध होगी जब हम इस जीव का अस्तित्व बचा पाएंगे। प्रकृति का संरक्षण हर जीव का संरक्षण है, आओ लौटें वापस हमारी समृद्धिशाली परंपराओं और संस्कृति की तरफ, जिसमें प्रकृति को पूजा जाता था। आओ पूजा करें नदियों की, सागरों की, वृक्षों की, पर्वतों की, जीवों की। हमारा प्रयास ही हमारा पुरुस्कार है। समृद्ध प्रकृति समृद्धि के द्वार तभी खोलेगी जब हम उससे तालमेल बिठा कर चलेंगे। प्रकृति का संरक्षण आज की महती आवश्यकता है। आज अगर नन्ही गौरैया के अस्तित्व पर संकट आया है कल हम इंसानों का अस्तित्व भी खतरे में है। बच नही पाएंगे हम भी अगर जीवों को नही बचाया तो। सावधान मनुष्य.....।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सरकार 1.32 लाख करोड़ की संपत्ति का ही मुद्रीकरण कर सकी

**नई दिल्ली ।** केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2023 में 1.62 लाख करोड़ रुपए मूल्य की संपत्ति का मुद्रीकरण करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन वह 1.32 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति का ही मुद्रीकरण कर सकी। रेल, सड़क, बिजली, दूरसंचार जैसे अहम मंत्रालय अपने लक्ष्य पूरे नहीं कर पाए, जिसके कारण सरकार मुद्रीकरण के लक्ष्य से करीब 30,000 करोड़ रुपए पीछे रह गई। मामले के जानकार लोगों ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए नीति आयोग ने 1.79 लाख करोड़ रुपए के संपत्ति मुद्रीकरण का लक्ष्य रखा है। कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली समित ने इस महीने की शुरुआत से इस लक्ष्य पर काम शुरू करा दिया है। यह लक्ष्य सरकार की महत्त्वाकांक्षी राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन का हिस्सा है। दो साल पहले शुरू की गई इस पाइपलाइन में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मुद्रीकरण हो रहा है और होना है। पहले से चल रही बुनियादी ढांचा संपत्तियों के मुद्रीकरण पर सरकार का बढ़ता जोर बताता है कि नया बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए पूंजी जुटाने का यह कितना अहम जरिया है।

## एलएंडटी फाइनेंस ग्रुप का 25 प्रतिशत सीएजीआर का लक्ष्य

**कोलकाता।** लार्सन एंड टुब्रो समूह की गैर-बैंक वित्तीय शाखा एलएंडटी फाइनेंस ग्रुप दीर्घावधि की रणनीति के तहत खुदरा वित्त पर जोर देगी। कंपनी ने इस दौरान 25 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। मौजूदा वृद्धि दर के अनुसार एलएंडटी फाइनेंस ग्रुप का खुदरा व्यवसाय 2025-26 तक बढ़कर एक लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। एलएंडटी फाइनेंस ग्रुप के एक अे धिकारी ने कहा` कि वित्त वर्ष 2022-23 में हम 35 प्रतिशत की दर से बढ़े। अगले कुछ वर्षों में हमारा सीएजीआर कम से कम 25 प्रतिशत रहेगा। एलएंडटी फाइनेंस समूह लंबी अवधि में मुख्य रूप से एक खुदरा वित्त कंपनी बन जाएगी। कंपनी अपने पोर्टफोलियो से थोक कारोबार को कम कर रहा है, जो अभी लगभग 19,500 करोड़ रुपए है।

## एयरलाइन स्पाइसजेट दिवालिया होने की कगार पर

**मुंबई ।** सस्ते हवाई किराए उपलब्ध कराने वाली एक और एयरलाइन स्पाइसजेट दिवालिया होने की कगार पर है। कंपनी के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने के लिए राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायालय (एनसीएलटी) में एक याचिका दायर की गई है। हां, स्पाइसजेट को विमान किराए पर देने वाली डबलिन स्थित कंपनी विलमिंगटन ट्रस्ट एसपी सर्विसेज लिमिटेड ने एनसीएलटी में एक याचिका दायर की है। कंपनी ने अपनी याचिका में स्पाइसजेट के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का आग्रह किया था। अगर स्पाइसजेट के खिलाफ यह याचिका मंजूर हो जाती है तो देश में उचित कम लागत वाली एयरलाइनों के भविष्य पर सवाल उठेंगे।पिछले महीने गो फर्स्ट जैसी कंपनी दिवालियेपन की कगार पर आ गई थी और खुद को इन्सॉल्वेंसी की कार्यवाही से बचाने के लिए कंपनी एनसीएलटी में चली गई।

# देश की जीडीपी 3.75 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंची: वित्त मंत्री

**नई दिल्ली ।**

भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) सोमवार को 3.75 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े पर पहुंच गया है। यह 2014 में लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने एक ट्वीट में यह जानकारी दी है। ट्वीट में कहा गया है` कि भारत की जीडीपी 2023 में 3.75 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई है, जो 2014 में लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर थी। इस तरह भारत दुनिया की 10 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 5 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। भारत को अब वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उज्ज्वल स्थान के रूप में जाना जाता है। वित्त मंत्रालय ने आगे कहा कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वर्तमान मूल्य के संदर्भ में 3,737 अरब डॉलर है, जो सिर्फ अमेरिका 26,854 डॉलर, चीन 19,374 अरब डॉलर और जर्मनी 4,309 अरब डॉलर से कम है। मौजूदा कीमतों पर भारत की जीडीपी ब्रिटेन 3,159 अरब डॉलर, फ्रांस 2,924 अरब डॉलर, कनाडा 2,089 अरब डॉलर, रूस 1,840 अरब डॉलर और ऑस्ट्रेलिया 1,550 अरब डॉलर से बेहतर है। मूडीज ने जून तिमाही में 6 से 6.3 प्रतिशत विकास दर का अनुमान जताया। इस बीच रेटिंग एजेंसी मूडीज ने रविवार को भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर जून तिमाही में 6 से 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। मूडीज का अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से पिछले सप्ताह लगाए गए 8 प्रतिशत की वृद्धि दर के अनुमान से काफी कम है।

## वृद्धि बनाए रखने बहुआयामी नीतिगत प्रतिक्रिया जरूरी: आरबीआई डिप्टी गवर्नर

**मुंबई ।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा ने उत्पादकता और वृद्धि को बनाए रखने के लिए बहुआयामी नीतिगत प्रतिक्रिया की वकालत की है। उन्होंने कहा कि ऐसे वक्त में जब कई कारक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं, इस तरह की कार्रवाई जरूरी हो जाती है। उन्होंने कहा कि नीतिगत प्रतिक्रिया को तकनीकी पूंजी, शोध एवं विकास में दीर्घकालिक निवेश, कौशल विकास और भौतिक बुनियादी ढांचे के निर्माण से समर्थन मिलना चाहिए। पात्रा ने लोनावाला में छठे एशिया केएलईएमएस सम्मेलन में कहा कि उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) को उत्पादकता वृद्धि के लिए सेवा क्षेत्र की क्षमता का लाभ उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इन उपायों में निजी क्षेत्र को शामिल करने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि खासतौर से महिलाओं और पुराने श्रमिकों के बीच श्रम बल की भागीदारी दर बढ़ाने से भी उत्पादकता को बढ़ावा मिल सकता है।

## जॉर्ज सोरोस ने बेटे को सौंपी 25 अरब डॉलर के साम्राज्य की बागडोर

**वाशिंगटन ।** अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस ने अपने 25 अरब डॉलर के वित्तीय और धर्मार्थ साम्राज्य की बागडोर अपने बेटे एलेक्स को यह कहकर सौंप दी है कि एलेक्स ने इस संपत्ति को अर्जित किया है। रिपोर्ट के अनुसार, 37 वर्षीय एलेक्स, जिन्होंने न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में इतिहास का अध्ययन किया और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की, 92 वर्षीय हंगरी में जन्मे फाइनेंसर के पांच बच्चों में से दूसरे सबसे छोटे हैं। सोरोस फंड मैनेजमेंट के लिए निवेश समिति में बैठने वाला एलेक्स एकमात्र परिवार का सदस्य है, रिपोर्ट के अनुसार परिवार और धर्मार्थ नींव के लिए 25 बिलियन डॉलर का प्रबंधन कर रहा है। उन्होंने दिसंबर 2022 में ओपन सोसाइटी फाउंडेशन (ओएसएफ) के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला और अपने पिता के राजनीतिक दलों को धन निर्देशित करने के लिए अमेरिकी तंत्र सुपर पीएसी के प्रभारी भी हैं। एक साक्षात्कार में, सोरोस, जिनकी निजी दौलत 6.7 बिलियन डॉलर आंकी गई है, ने कहा कि उनके बेटे ने इस संपत्ति को कमाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जॉर्ज सोरोस डेमोक्रेटिक पार्टी के सबसे बड़े दानदाताओं में से एक हैं, और एलेक्स ने कहा कि वह अपने पिता की तुलना में अधिक राजनीतिक हैं और वह अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए डोनाल्ड ट्रम्प के प्रयास के खिलाफ प्रचार करने वाले हैं। अलेक्जेंडर ने कहा, हम घर में मतदान के अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने और विदेशों में लोकतंत्र के कारण का समर्थन करने जा रहे हैं। जितना मैं राजनीति से पैसा निकालना पसंद करूंगा, जब तक दूसरा पक्ष ऐसा कर रहा है, हमें भी ऐसा करना होगा। उन्होंने कहा कि ओपन सोसाइटी फाउंडेशन उसी उद्देश्य को आगे बढ़ाएगा, जो उनके पिता के अधीन था, जिसमें मुक्त भाषण, आपराधिक न्याय सुधार, अल्पसंख्यक और शरणार्थी अधिकार और उदार राजनेताओं का समर्थन शामिल था।

# शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

### निफ्टी 18,601 पर पहुंचा , सेंसेक्स 99 अंक ऊपर आया

**मुम्बई।**

शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के कारण लिवाली (खरीदारी) हावी होने से आया है। आईटी शेयरों में लिवाली से भी बाजार में तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 99.08 अंक करीब 0.16 फीसदी ऊपर आकर 62,724.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 62,804.89 तक ऊपर जाने के बाद 62,615.20 तक फिसला। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी भी 38.10 अंक तकरीबन 0.21 फीसदी ऊपर आने के बाद 18,601.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ये 18,633.60 तक ऊपर जाने के बाद 18,559.75 तक फिसला।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 20 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इस दौरान एचसीएल टेक , इंफोसिस, एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टीसीएस सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे।

दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से 10 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इसमें पावर ग्रिड के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इसके अलावा लार्सन एंड टूब्रो, मारुति, टाइटन और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी गिरे।

इससे पहले आज सुबह अमेरिकी बाजारों में सकारात्मक रुख और आईटी शेयरों में लिवाली से बाजारों में तेजी आई। बाजार में इससे पहले दो कारोबारी सत्रों में गिरावट हुई थी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 158.02 अंक चढ़कर 62,783.65 पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 70.2 अंक बढ़कर 18,633.60 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी बाजारों में एसएंडपी 500, डॉव और नैस्डैक से जुड़े बेंचमार्क फ्यूचर्स 0.05-0.24 फीसदी बढ़त में रहे। एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेत प्राप्त हुए। जापान का निक्की और सिंगापुर का स्ट्रेट टाइम्स में 0.7 फीसदी की वृद्धि हुई। जबकि हैंग सेंग, शंघाई कंपोजिट और कोस्पी 0.3-0.6 फीसदी गिरे।

# वनप्लस के 5जी फोन पर एक बार फिर कंपनी दे रही बंपर डिस्काउंट

**नई दिल्ली ।**

वनप्लस 10 प्रो 5G पर कंपनी एक बार फिर ग्राहकों को तगड़ा डिस्काउंट दे रही है। 8जीबी रैम और 128जीबी इंटरनल स्टोरेज वाले इस फोन को आप अमेजन इंडिया पर 16 पर्सेंट डिस्काउंट के बाद 55,999 रुपये में खरीद सकते हैं। इस फोन का एमआरपी 66,999 रुपये है। बैंक ऑफर में इस फोन की कीमत को 1 हजार रुपये तक और कम कर सकते हैं। इस फोन पर 22,800 रुपये तक का एक्सचेंज बोनस भी दिया जा रहा है। एक्सचेंज में मिलने वाला अडिशनल डिस्काउंट आपके पुराने फोन की कंडीशन पर निर्भर करेगा। अमेजन की डील में आप इस फोन को आकर्षक नो-कॉस्ट ईएमआई पर भी खरीद सकते हैं। वनप्लस का यह फोन जबर्दस्त कैमरा और डिस्प्ले के साथ आता है। इसमें आपको 120एचजेड के रिफ्रेश रेट वाला एलटीपीओ फ्लूइड एमोलेड डिस्प्ले मिलेगा। इस डिस्प्ले का साइज 6।7 इंच का है। डिस्प्ले प्रोटेक्शन के लिए कंपनी इसमें कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास भी दे रही है। फोन 12जीबी तक की रैम और 256जीबी तक के इंटरनल स्टोरेज ऑप्शन में उपलब्ध है। यह फोन पावरफुल स्नैपड्रैगन 8 जेन 1 पर काम करता है।

कैमरा की बात करें तो फोन में एलईडी फ्लैश के साथ तीन कैमरे दिए गए है। इनमें 48 मेगापिक्सल के मेन कैमरा के साथ 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड ऐंगल कैमरा और एक 8 मेगापिक्सल का टेलिफोटो सेंसर शामिल है। वहीं, सेल्फी के लिए इस फोन में 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया गया है। इस फोन में कंपनी 80 वॉट की फास्ट चार्जिंग के साथ 5000 एमएएच की बैटरी दे रही है। यह फोन 50 वॉट की वायरलेस चार्जिंग को भी सपोर्ट करता है। इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर वाला यह फोन ऐंड्रॉयड 12 पर बेस्ड ऑसीजन ओएस पर काम करता है। कनेक्टिविटी के लिए इस फोन में ब्लूटूथ 5.2, जीपीएस और वाई-फाई के साथ सारे स्टैंडर्ड ऑप्शन दिए गए हैं। यह फोन एमरल्ड फॉरेस्ट और वोल्कैनिक ब्लैक कलर ऑप्शन में आता है।

## डीवीसी अगले सात साल में बिजली उत्पादन दोगुना करेगी: चेयरमैन

**बोकारो ।** दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के चेयरमैन राम नरेश सिंह ने कहा कि कंपनी अगले सात साल में अपना वार्षिक बिजली उत्पादन दोगुना करने पर विचार कर रही है। सिंह ने कहा कि 2030 तक 15,000 मेगावाट वार्षिक बिजली उत्पादन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए 7,000 मेगावाट की वर्तमान क्षमता में 8,000 मेगावाट क्षमता और जोड़नी होगी। उन्होंने कहा कि कंपनी नए बिजली संयंत्रों की स्थापना के लिए करीब 60,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। सिंह ने संवाददाताओं से कहा कहा कि केंद्र ने डीवीसी को 8,000 मेगावाट की कुल क्षमता वाले नए बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए तीन ताप विद्युत संयंत्र और दो सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। ताप विद्युत संयंत्र रघुनाथपुर (1,320 मेगावाट), कोडरमा (1,600 मेगावाट) और दुर्गापुर (800 मेगावाट) में स्थापित किए जाएंगे। सिंह ने कहा` कि हम 2,000 मेगावाट की कुल क्षमता वाले दो सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की भी योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, हमारे पास लगभग 2,500 मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए दो पंप स्टोरेज संयंत्र भी होंगे। उन्होंने कहा कि निगम इस समय दिल्ली, झारखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और गुजरात के साथ ही पड़ोसी बांग्लादेश को भी बिजली की आपूर्ति कर रहा है।

# श्रीलंका में सीईबी के बिजली खरीद समझौते के प्रारूपण का इंतजार कर रहा अडानी समूह

**कोलंबो ।**

अडानी समूह ने 2021 में बंदरगाह और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में उद्यम करते हुए श्रीलंका में अपनी व्यावसायिक गतिविधियों का विस्तार किया। हालांकि, अक्षय ऊर्जा उद्योग में अपनी उपस्थिति स्थापित करने में अडानी समूह को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। ये बाधाएं मुख्य रूप से सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (सीईबी) के निजी क्षेत्र विरोधी रुख और संगठन के भीतर आंतरिक मुद्दों से उपजी हैं। अडानी समूह और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा निवेशक दोनों ही सीईबी द्वारा बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के प्रारूपण का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि यह उनकी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को अंतिम रूप देने में एक महत्वपूर्ण कदम है। पीपीए का मसौदा तैयार करने में देरी अडानी के लिए अद्वितीय नहीं है, बल्कि अन्य नवीकरणीय ऊर्जा निवेशकों को भी प्रभावित करती है। राज्यमंत्री दिलुम अमुनुगामा ने हाल ही में इस मुद्दे को स्वीकार कर आश्वासन दिया कि निगरानी समिति द्वारा नए निवेश कानूनों का मसौदा तैयार करके इन चिंताओं को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। इन नए विनियमों का उद्देश्य उन पुराने नियमों को सुधारना है जो रियायतें उपलब्ध होने पर भी निवेश के अवसरों में बाधा डालते हैं। नवीकरणीय ऊर्जा के विकास में देरी को कई कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसमें एक अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को भुगतान करने में सीईबी की विफलता सबसे अधिक दबाव वाले मुद्दों में से एक है। वित्तीय सहायता की इस कमी ने नए निवेशकों को बाजार में प्रवेश करने से हतोत्साहित किया है। मंत्री के अनुसार, सीलोन बिजली बोर्ड से जुड़ी कई परियोजनाएं पांच से छह वर्षों से स्वीकृति की प्रतीक्षा कर रही हैं। श्रीलंका की बढ़ती ऊर्जा मांग को महसूस करने और 70 प्रतिशत स्थापित नवीकरणीय क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली उद्योग को अधिक धन की जरूरत होगी और यह निजी क्षेत्र पर अधिक निर्भर करेगा। वर्तमान में मौसम की स्थिति के आधार पर, गैर-पारंपरिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र श्रीलंका की दैनिक बिजली आवश्यकता का 15-20 प्रतिशत आपूर्ति करता है।

## पंजाब और महाराष्ट्र में पेट्रोल और डीजल सस्ता

### - ब्रेंट क्रूड 0.35 डॉलर की गिरावट के साथ 74.44 डॉलर प्रति बैरल

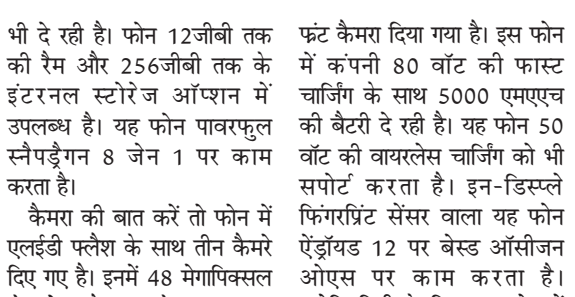

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को गिरावट दिख रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.29 डॉलर गिरकर 69.88 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.35 डॉलर की गिरावट के साथ 74.44 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। सोमवार को अधिकांश राज्यों में पेट्रोल व डीजल की कीमतों में राज्य स्तर पर कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि, महाराष्ट्र में पेट्रोल 89 और डीजल 84 पैसे सस्ता हुआ है। वहीं पंजाब में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 28 पैसे सस्ता हुआ है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल 11 पैसे सस्ता हुआ है। झारखंड और केरल में पेट्रोल और डीजल के दाम में बेहद मामूली बढ़ोतरी दिख रही है। महानगरों में ईंधन की कीमत में कोई बदलाव नहीं है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.80 रुपए और डीजल 94.40 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.64 रुपए और डीजल 89.94 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.48 रुपए और डीजल 94.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

## बेटर डॉट कॉम ने 4 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को निकाला बाहर

**मुंबई ।**

दिसंबर 2021 में जूम कॉल पर 900 कर्मचारियों को बेटर डॉट कॉम कंपनी से बाहर निकालने वाले भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक विशाल गर्ग एक बार फिर चर्चा में हैं। दुनियाभर की कंपनियों में छंटनी का सिलसिला अब भी जारी है। इसी कड़ी में अब बेटर डॉट कॉम ने अपनी पूरी रियल एस्टेट टीम को बंद कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेटर डॉट कॉम के भारतीय मूल के सीईओ विशाल गर्ग ने अमेरिका और भारत में दिसंबर 2021 से 4,000 से भी ज्यादा कर्मचारियों को बाहर निकाला है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि नए दौर की छंटनी से कितने कर्मचारी प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी इन-हाउस एजेंट मॉडल से पार्टनरशिप एजेंट मॉडल में शिफ्ट हो रही है। नौकरी से बाहर निकाले गए एक कर्मचारी ने यह दावा किया है कि आने वाली हमारी नौकरियों को सेफ करने के लिए नवंबर में 50 फीसदी से भी ज्यादा सैलरी की कटौती के बाद उनको कोई भी सेवरेंस यानी मुआवजा नहीं मिला। मई 2022 में कंपनी ने अपने कर्मचारियों को खुद की मर्जी से ही नौकरी छोड़ने का ऑप्शन दिया था, जिसके बाद कंपनी को लगभग 920 इस्तीफे मिले थे।

इस साल मार्च के महीने में अमेजन और बेटर डॉट कॉम ने एक समझौता किया था। इसके तहत अमेजन के इंप्लॉइज गिरवी रखने के लिए जरूरी शुरुआती पेमेंट के लिए कंट्रीब्यूशन के तौर पर अपनी कंपनी के शेयरों का इस्तेमाल कर सकेंगे। बेटर डॉट कॉम कंपनी की स्थापना 2016 में न्यूनॉर्क में हुई थी। यह कंपनी घर मालिकों को ऑनलाइन लोन और इंश्योरेंस प्रोडक्ट प्रदान करती है।

## भारत में 14 जून को लांच होगा इन्फिनिक्स नोट 30 5जी फोन

**मुंबई ।**

इन्फिनिक्स नोट 30 5जी भारत में 14 जून को लांच होगा। लेकिन लांच से पहले ही फोन के बारे में सभी जानकारी सामने आ गई हैं। इस फोन में 108 मेगापिक्सल का प्राइमरी रियर कैमरा सेंसर होगा। शुक्रवार को इन्फिनिक्स ने घोषणा की कि फोन में बायपास चार्जिंग फैसिलिटी होगी।इन्फिनिक्स नोट 30 5जी एक ऑक्टा-कोर मीडियाटेक डाइमेंशन 6080 एसओसी प्रोसेसर के साथ आएगा। वहीं स्मार्टफोन निर्माता ने घोषणा की है कि इन्फिनिक्स नोट 30 5जी की कीमत भारत में 15,000 रुपये से शुरू होगी। हैंडसेट के स्टोरेज कॉन्फिगरेशन और उसके कीमत की डिटेल्स अभी सामने नहीं आई है। फोन को इंटरस्टेलर ब्लू, मैजिक ब्लैक और सनसेट गोल्ड कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। सनसेट गोल्ड वेरिएंट के रियर पैनल पर लीची जैसी लेदर फिनिश दी गई है। फोन 6.78 इंच के फुल-एचडी प्लस आईपीएस एलटीपीएस एलसीडी डिस्प्ले और 240 हर्ट्ज़ के टच सैंपलिंग रेट के साथ आ सकता है। इन्फिनिक्स नोट 30 5जी एक ऑक्टा-कोर मीडियाटेक डाइमेंशन 6080 एसओसी द्वारा संचालित है जिसे मेल-जी57 जीपीयू के साथ जोड़ा गया है। फोन 4 जीबी और 8 जीबी रैम और 128 जीबी और 256जीबी इनबिल्ट स्टोरेज के साथ उपलब्ध है। हैंडसेट के साथ अतिरिक्त 8 जीबी की वर्चुअल रैम दी गई है। इन्फिनिक्स नोट 30 5जी में 108-मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर आएगा जिसकी लांच घोषणा ने पुष्टि की, साथ ही 8-मेगापिक्सल का सेकेंडरी सेंसर और एक एआई सेंसर है। कैमरे और एक एलईडी फ्लैश को बैक पैनल के ऊपरी बाएं कोने में थोड़ा रेक्टंगुलर कैमरा मॉड्यूल में रखा गया है। सेल्फी के लिए, फोन में 16-मेगापिक्सल का कैमरा है।

# एकदिवसीय विश्व कप में 15 अक्टूबर को हो सकता है भारत-पाक मुकाबला

**लंदन। (एजेंसी)।** मुम्बई (ईएमएस)। आगामी आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आमने-सामने हो सकती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस कार्यक्रम के लिए जो कार्यक्रम तैयार किया है उसे आईसीसी के साथ भी साझा किया गया है। अगले सप्ताह की शुरूआत में अंतिम कार्यक्रम जारी होने से पहले इस इवेंट में हिस्सा लेने वाले देशों को भी इसे भेजा गया है ताकि उनकी राय भी मिल सके।

बीसीसीआई के इस प्रारंभिक मसौदा कार्यक्रम के अनुसार, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच 5 अक्टूबर को पहला मुकाबला होगा जबकि भारतीय टीम 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने शुरुआती मैच खेलेगी। इस रिपोर्ट के अनुसार लीग चरण के दौरान भारतीय टीम को नौ स्थानों पर अपने लीग मैच खेलने होंगे जबकि पाक को पांच स्थानों पर खेलने हैं। ड्राफ्ट कार्यक्रम में सेमीफाइनल मैचों की जानकारी नहीं है पर उम्मीद है कि ये मुकाबले 15 और 16 नवंबर को होंगे। वहीं टूर्नामेंट का फाइनल मैच 19 नवंबर को अहमदाबाद में होगा।

### कार्यक्रम इस प्रकार है-

भारत और ऑस्ट्रेलिया 8 अक्टूबर, चेन्नई
भारत और अफगानिस्तान 11 अक्टूबर, दिल्ली
भारत और पाकिस्तान 15 अक्टूबर, अहमदाबाद
भारत और बांग्लादेश 19 अक्टूबर, पुणे
भारत और न्यूजीलैंड 22 अक्टूबर, धर्मशाला
भारत और इंग्लैंड 29 अक्टूबर, लखनऊ
भारत और क्वालीफायर 2 नवंबर, मुंबई
भारत और दक्षिण अफ्रीका 5 नवंबर, कोलकाता
भारत और क्वालीफायर, 11 नवंबर, बेंगलुरु।

# जोकोविच एटीपी रैंकिंग में फिर नंबर एक पर पहुंचे

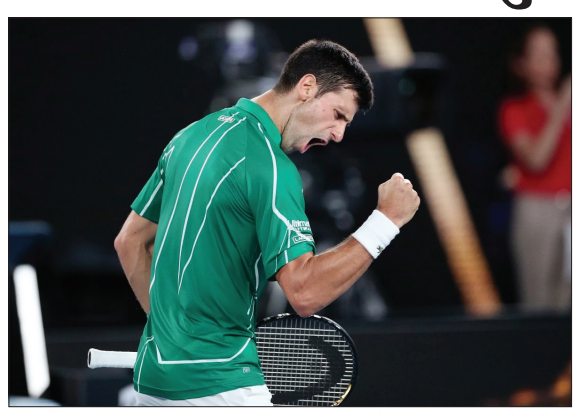

### -स्वियातेक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

**पेरिस(एजेंसी)।** फ्रेंच ओपन टेनिस में पुरुष एकल खिताब विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच एटीपी रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष पर पहुंच गये हैं। जोकोविच ने रिकार्ड 23 वां खिताब जीतने के साथ ही कार्लोस अल्कारेज को पीछे छोड़ते हुए नंबर एक स्थान हासिल किया। पुरुष एकल में जोकोविच रोलां गैरो में दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी के रूप में उतरे थे पर फाइनल में रूड पर जीत से वह नंबर एक पर पहुंच गये। एटीपी रैंकिंग में अब अल्कारेज दूसरे और दानिल मेदवेदेव तीसरे स्थान पर हैं जबकि रूड चौथे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं कूल्हे की चोट के कारण इस साल की शुरुआत से ही बाहर चल रहे रफेल नडाल शीर्ष 100 से बाहर होकर 136वें पायदान पर खिसक गए हैं।

वहीं महिला एकल का खिताब जीतने वाली पोलैंड की इगा स्वियातेक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर एक पर बनी हुई हैं। दूसरे नंबर की खिलाड़ी एरिना सबालेंका के पास स्वियातेक को पीछे छोड़ने का अवसर था पर वह इसमें सफल नहीं हुईं। स्वियातेक ने कैरोलिना मुचोवा को 6-2, 5-7, 6-4 से हराकर चार साल में तीसरा फ्रेंच ओपन खिताब जीता। वह ऐश बार्टी के संन्यास लेने के बाद से ही अप्रैल 2022 से ही नंबर एक स्थान पर हैं। वहीं मुचोवा 43वें से करियर की सर्वश्रेष्ठ 16वीं रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। गत विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना तीसरे स्थान पर हैं।

# टीम इंडिया पर सौ जबकि शुभमन पर 115 फीसदी जर्माना

### -ऑस्ट्रेलिया भी नहीं बचा

**लंदन (एजेंसी)।** । द ओवल में खेल गये आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के हार के साथ ही भारतीय टीम को एक और झटका लगा है। मैच में धीमे ओवर रेट के लिए भारतीय टीम पर मैच फीस का 100 फीसदी जुर्माना लगा। भारत ही नहीं विजेता टीम ऑस्ट्रेलिया की भी जीत की खुशी फीकी पड़ी गयी है। उसपर मैच फीस का अस्सी फीसदी जुर्माना लगा है।

वहीं भारतीय टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल पर मैच फीस के अलावा 15 फीसदी अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया गया है। शुभमन पर ये अतिरिक्त जुर्माना कैच आउट को लेकर किए गए सोशल मीडिया पोस्ट के कारण लगाया गया है। इस प्रकार शुभमन पर कुल मिलकर 115 फीसदी जुर्माना लगा है। उन्हें ये राशि आईसीसी को देनी होगी। वहीं, फाइनल खेलने के बाद भारतीय टीम को भी 100 फीसदी मैच फीस का जुर्माना लगने के कारण उसे मैच फीस के रूप में एक भी रुपया नहीं मिलेगा।

शुभमन पर अधिक जुर्माना इसलिए लगा है क्योंकि उन्होंनें आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन किया है। उन्हें धारा 2.7 के तहत दोषी करार दिया गया है। इस नियम के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी घटना को लेकर सोशल मीडिया या किसी भी मंच पर कमेंट करना सख्त मना है। शुभमन ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कैच आउट दिए जाने को लेकर थर्ड अंपायर के फैसले के खिलाफ ट्वीट कर अपनी नाराजगी जाहिर की थी।

इस मैच में शुभमन का कैच कैमरन ग्रीन ने पकड़ा था जिसको लेकर विवाद उठा है। टीवी अंपायर रिचर्ड केटलब्रो ने ग्रीन द्वारा पकड़े गये शुभमन के कैच को सही बताया था पर वीडियो में ऐसा लग रहा था कि गेंद जमीन से लग गई थी। इस कैच को लेकर कई दिग्गजों ने सवाल उठाये थे। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना था कि गेंद का कुछ हिस्सा जमीन पर लगा था।

# इस कारा एक दशक में आईसीसी खिताब का सूखा समाप्त नहीं कर पायी भारतीय टीम

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम पिछले एक दशक में एक भी आईसीसी खिताब नहीं जीत पायी है। इस दौरान भारतीय टीम को चार बार फाइनल जबकि इतने ही बार सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। हर बार टीम की शुरुआत अच्छी रही है पर अंत में बड़े मुकाबलों में वह दबाव में बिखरती दिखी। इसका कारण सही संयोजन की कमी के साथ ही खिलाड़ियों के जुझारु रवैये में कमी होना भी रहा है

भारतीय टीम इंडिया ने अंतिम बार साल 2013 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे पहले टी20 विश्वकप 2014 के फाइनल में श्रीलंका ने भारतीय टीम को हराया था। वहीं साल 2016 की बात करें, तो टीम इंडिया को सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

वही 2021 का टी20 वर्ल्ड कप यूएई में खेला गया था। यहां भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा. टीम दूसरे ही दौर से बाहर हो गई थी। पाक ने विश्वकप में पहली बार टीम इंडिया को हराया। वहीं 2022 के टी20 विश्वकप में उसे इंग्लैंड के हाथों सेमीफाइनल में हार मिली।

साल 2015 एकदिवसीय विश्वकप में टीम इंडिया को सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। इसी प्रकार 2019 के विश्व कप के अंतिम-4 के मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को हराया। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी में 2017 के फाइनल में पाकिस्तान ने टीम इंडिया को 180 रनों से हराया था। वहीं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारतीय टीम पहले सत्र में अंक तालिका में शीर्ष पर रही पर 2021 में इंग्लैंड के साउथम्प्टन मैदान पर खेले गए फाइनल में उसे न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस सत्र में भारतीय टीम को खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने हराया है।

# अदिति एलपीजीए रैंकिंग में शीर्ष 20 वें स्थान पर पहुंची

नई दिल्ली । भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक एलपीजीए रैंकिंग में शीर्ष 20 वें स्थान पर पहुंची हैं । अदिति शॉपराइट क्लासिक में संयुक्त 49वें स्थान पर रही थीं । अंतिम दिन अच्छा प्रदर्शन करते हुए अदिति ने एक बोगी और चार बर्डी के साथ ही तीन अंडर 68 का कार्ड खेला पर 54 वे होल में उनका कुल स्कोर दो अंडर 211 बना रहा । अदिति रेस टू सीएमई विश्व रैंकिंग में भी 20वें स्थान पर रही हैं । ये एलपीजीए टूर का आर्डर आफ मेरिट है । इस साल खराब शुरूआत के बाद वह लगातार तीन टूर्नामेंटों में कट में प्रवेश नहीं कर पायीं थीं । इसके बाद से ही वह शानदार फॉर्म में है और तीन बार शीर्ष पांच में पहुंची हैं ।

# इंडोनेशिया सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे प्रणय

जकार्ता । फॉर्म में चल रहे एच एस प्रणय मंगलवार से यहां शुरू हो रहे बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट इंडोनेशिया ओपन में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे । पिछले महीने मलेशिया मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले प्रणय टूर्नामेंट में आगे तक जा सकते हैं जिसमें विश्व बैडमिंटन के चोटी के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं । दुनिया के नंबर आठ खिलाड़ी प्रणय का सामना पहले दौर में जापान के केंता निशिमोतो से होगा जिसके बाद दूसरे दौर में चीन के शि युकी से टक्कर हो सकती है । दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और 2021 विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता किदाम्बी श्रीकांत सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं लेकिन यहां अच्छी शुरूआत की कोशिश करेंगे । सिंधू पिछले दो टूर्नामेंटों में पहले दौर में बाहर हो गई जबकि श्रीकांत मलेशिया और स्पेन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे । सिंधू का सामना पहले दौर में इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मरिस्का तुंगजुंग से होगा जबकि श्रीकांत चीन के लु गुआंग जू से खेलेंगे । थाईलैंड ओपन सेमीफाइनल तक पहुंचे लक्ष्य सेन का सामना पहले दौर में दुनिया के दसवें नंबर के खिलाड़ी चीन के ली जि जिया से होगा । राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन और दुनिया की पांचवें नंबर की जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना इंडोनेशिया के मार्कस फर्नाल्डी गिडोन और केवन संजय सुकामुजो से होगा । सात्विक और चिराग ने इस सत्र मे स्विस ओपन जीता है लेकिन इस इंडोनेशियाई जोड़ी को पिछले 11 मुकाबलों में हरा नहीं सके हैं । एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिता का सामना मलेशिया के ओंग यू सिन और तियो इ यि से होगा । दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना नेहवाल पहले दौर में चीन की वांग झि यि से खेलेंगी ।

# वेस्टइंडीज दौरे के लिए रिंकू, जितेश को टी20 टीम में जगह मिलने की संभावना, इन खिलाड़ियों का भविष्य अधर में लटका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में लगातार दूसरी हार पर भले ही त्वरित प्रतिक्रिया न हो लेकिन अगले महीने दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज दौरे पर जाने वाली टीम से अनुभवी खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा और उमेश यादव का पत्ता कट सकता है। इन दोनों की जगह टीम में यशस्वी जायसवाल और मुकेश कुमार मजबूत दावेदार होंगे क्योंकि चयन समिति भविष्य के मुश्किल दौरों के लिए खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को तैयार करना शुरू करना चाहेगी।

भारत का वेस्टइंडीज का एक महीने का दौरा होगा। दौरे का आगाज 12 जुलाई से दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से होगा। टीम इसके बाद तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की श्रृंखला खेलेगी जिसमें हार्दिक पंड्या की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों की टीम मैदान में उतरेगी। इस टीम में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। डब्ल्यूटीसी फाइनल में लगातार दूसरी शिकस्त के बाद इस बात की काफी संभावना है कि शिव सुंदर दास की अगुवाई वाली चयन समिति और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अगले डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए कुछ विकल्पों पर विचार करेंगे।

पुजारा और उमेश लंबे समय से लय में नहीं है। चयन समिति के पूर्व सदस्य देवांग गांधी ने पीटीआई-से कहा, ''आपको संतुलन बनाने की जरूरत है। चयन और टीम से बाहर होना एक प्रक्रिया है लेकिन आपको युवाओं और अनुभव के मिश्रण की आवश्यकता है। टीम संयोजन में आपको लंबी योजना के साथ आगामी दो साल के चक्र को भी देखना होगा।'' उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि यशस्वी जायसवाल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार है। उसने रणजी, ईरानी और दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक बनाया है। वह मजबूत मानसिकता वाला खिलाड़ी दिखता है। उसे मौका देकर और सुधार किया जा सकता है।''

बीसीसीआई के एक और चयनकर्ता ने गोपनीयता की शर्त पर इस बात पर निराशा जतायी कि पिछले साल दिसंबर में बांग्लादेश के बाद भारत की 'ए' टीम ने कोई विदेशी दौरा नहीं किया। उन्होंने कहा, '' देखिये, उमेश अपने करियर के आखिरी चरण में है लेकिन 'ए' टीम का दौरा नहीं होने से आपको यह पता नहीं होता है कि कौन उनकी जगह लेने के लिए तैयार है। एक समय था जब हमारे पास मयंक अग्रवाल, ऋषभ पंत, हनुमा विहारी, मोहम्मद सिराज, नवदीप सैनी लगातार 'ए' टीम के लिए खेलते हुए राष्ट्रीय टीम के लिए तैयार रहते थे। इस चयनकर्ता ने कहा, '' अब आप खिलाड़ियों के बारे में नहीं जानते। मुझे तेज गेंदबाज में सिर्फ मुकेश कुमार ही नजर आते हैं लेकिन उनके पास भी अधिक गति नहीं है और स्विंग पर विश्वास करते हैं।''

लोकेश राहुल जांघ की सर्जरी से कब वापसी करेंगे यह तय नहीं है और वह अब टीम की कप्तानी की दौड़ में भी नहीं है। ऐसे में यह देखना भी दिलचस्प होगा कि क्या रोहित शर्मा मौजूदा फॉर्म और फिटनेस के आधार पर दो और साल के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे। वह इस चक्र के पूरा होने तक 38 साल के हो जायेंगे। ऐसे में टीम की कप्तानी के दावेदार को लेकर भी सवाल उठ रहे है। इस पूर्व चयनकर्ता ने कहा, '' वेस्टइंडीज दौरे के साथ समस्या यह है कि अगर पुजारा रन बनाते हैं तो आपको अगले साल तक उन्हें बाहर करना मुश्किल होगा। टीम को अगला टेस्ट दिसंबर में खेलना है। ऐसे में अगर आप अभी किसी युवा को मौका देते हैं तो वह आने वाले समय की बड़ी चुनौती के लिए तैयार रहेगा। कई जानकार मानते हैं कि 23 साल के शुभमन गिल के कप्तानी की भूमिका के लिए तैयार करने का यह सही समय है तो वहीं कुछ का मानना है कि संक्षिप्त समय के लिए यह जिम्मेदारी रविंद्र जडेजा को दी जा सकती है जिनकी जगह तीनों प्रारूप की टीम में पक्की है।

# एफआईएच प्रो लीग : भारत ने अर्जेंटीना को 2 -1 से हराया

इंधोवेन । पिछले मैच में नीदरलैंड से मिली हार से उबरते हुए भारत ने एफआईएच प्रो लीग के अपने आखिरी मैच में रियो ओलंपिक चैम्पियन अर्जेंटीना पर रविवार को 2 .1 से जीत दर्ज की । भारत के लिये आकाशदीप सिंह ने दूसरे और सुखजीत सिंह ने 14वें मिनट में फील्ड गोल किये । वहीं अर्जेंटीना के लिये एकमात्र गोल लुकास टोस्कानी ने 58वें मिनट में दागा । इस जीत के बाद भारत 30 अंक लेकर अंकतालिका में शीर्ष पर बना हुआ है । अनुभवी आकाशदीप ने दूसरे ही मिनट में गोल करके भारत को बढत दिला दी । सर्कल के भीतर अकेले खड़े आकाशदीप ने गेंद का इंतजार किया और दाहिने फ्लैंक से बेहतरीन मूव पर गेंद को लेकर उन्होंने गोल के भीतर डाल दिया । अर्जेंटीना ने जवाबी हमला बोला लेकिन भारतीय डिफेंस मुस्तैद था । भारत का दूसरा गोल 14वें मिनट में हुआ जब आकाशदीप ने विवेक सागर प्रसाद को बैक पास दिया और अर्जेंटीना के डिफेंस को छकाते हुए विवेक ने गेंद गोल के सामने सुखजीत को सौंपी । उन्होंने गोल करने में कोई चूक नहीं की । पहले क्वार्टर में दो गोल करने वाली भारतीय टीम इसके बाद गोल नहीं कर पाई । वहीं अर्जेंटीना को हूटर से दो मिनट पहले पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर लुकास ने गोल किया ।

# दिव्या देशमुख शतरंज चैंपियनशिप में बनी चैंपियन, जीता गोल्ड मेडल

नयी दिल्ली । भारत की दिव्या देशमुख रविवार को यहां एशियाई महाद्वीपीय शतरंज चैम्पियनशिप की महिला शास्त्रीय स्पर्धा में चैंपियन बनीं है । इस मुकाबले में उन्होंने मैरी एन गोम्स को मात दी है । मैरी गोम्स मुकाबले की उपविजेता रही । 17 वर्षीय दिव्या ने कजाकिस्तान की ज़ेनिया बालाबायेवा के साथ नौवें और अंतिम राउंड को ड्रा किया । मुकाबला ड्रॉ होने के साथ ही दिव्या देशमुख 7.5 अंकों के साथ शीर्ष पर रहीं और चैंपियनशिप विजेता बन गई । इस टूर्नामेंट की विजेता बनने के साथ ही दिव्या देशमुख को गोल्ड मेडल से नवाजा गया । उपविजेता मैरी को सिल्वर मेडल मिला है । बता दें कि दिव्या देशमुख ने वर्ष की शुरुआत में ही लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय महिला शतरंज का ताज अपने पास ही बरकरार रखा है ।

**मैरी ने हासिल किया दूसरा स्थान :** इस मुकाबले में मैरी ने भी फाइनल राउंड में ड्रा खेला । उन्हें दूसरे राउंड के बाद 6.5 अंक मिले और वो दूसरे स्थान पर रही । दिव्या ने डब्ल्यूआईएम मेरुर्ट कमलिडेनोवा ( कजाकिस्तान ) को अंतिम दौर में आसानी से हरा दिया था । भारतीय खिलाड़ी साक्षी चितलंगे 5.5 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहीं । अन्य भारतीयों में पीवी नंदीधा ( 5 अंक ) और आशना मखीजा ( 5 ) अंक मिले, जिसके साथ दोनों ही खिलाड़ी क्रमश : 13वें और 14वें स्थान पर रहीं ।

# पहलवानों का विरोध: 4 जुलाई को हो सकते हैं डब्ल्यूएफआई के चुनाव, जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय के पूर्व जज रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।** नयी दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव 4 जुलाई को होंगे। चुनाव के लिए रिटर्निंग अधिकारी जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) महेश मित्तल कुमार होंगे। आईओए ने न्यायमूर्ति मित्तल कुमार को लिखे अपने पत्र में कहा कि IOA को WFI की कार्यकारी समिति के चुनाव कराने के लिए आगे कदम उठाना है, और हम आपको WFI के चुनाव कराने के लिए एक रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में नियुक्त करके प्रसन्न हैं। चुनाव कराने में सहायता के लिए एक सहायक रिटर्निंग अधिकारी और अन्य कर्मचारियों को नियुक्त करने पर विचार किया है।

### बृजभूषण शरण सिंह का विरोध

4 जुलाई को बुलाई गई डब्ल्यूएफआई की एसजीएम में चुनाव कराने की आवश्यकता है और चुनाव का कार्यक्रम उसी के अनुसार तैयार करना होगा। हम आपकी स्वीकृति की पुष्टि और 4 जुलाई को डब्ल्यूएफआई के चुनावों के सुचारू संचालन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। भारत के शीर्ष पहलवानों द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने इस साल मार्च में तीन कार्यकाल (12 वर्ष) पूरे किए। खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई के 7 मई के पहले के चुनाव की तारीख को ÷अमान्य और शून्य÷ घोषित कर दिया। इसने संगठन को चलाने और 45 दिनों के भीतर नए सिरे से चुनाव कराने के लिए दो सदस्यीय तदर्थ समिति नियुक्त की।

### खेल मंत्री ने कही थी बड़ी बात

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने सात जून को आंदोलनकारी पहलवानों के साथ मुलाकात के बाद कहा था कि डब्ल्यूएफआई के चुनाव 30 जून को कराए जाएंगे लेकिन यह स्पष्ट था कि इस समय सीमा का पालन करना मुश्किल होगा क्योंकि डब्ल्यूआई की विशेष आम बैठक (एसजीएम) के लिए 21 दिन का नोटिस देना जरूरी है। डब्ल्यूएफआई की एसजीएम या एजीएम (वार्षिक आम बैठक) में चुनाव कराए जाएंगे। ठाकुर ने पहलवानों को आश्वासन दिया था कि सरकार डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के परिवार के किसी सदस्य या सहयोगी को चुनाव लड़ने की स्वीकृति नहीं देगी जिसके बाद पहलवानों ने 15 जून तक अपना आंदोलन स्थगित कर दिया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

# बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

## बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें ।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

## अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

## उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

## आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

## सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

## नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

# घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

## चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

## कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

## मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

## गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

## चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

## गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

## पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं।

पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

**फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डे बल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।**

# घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

## कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

## जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

## जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

## लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

## प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

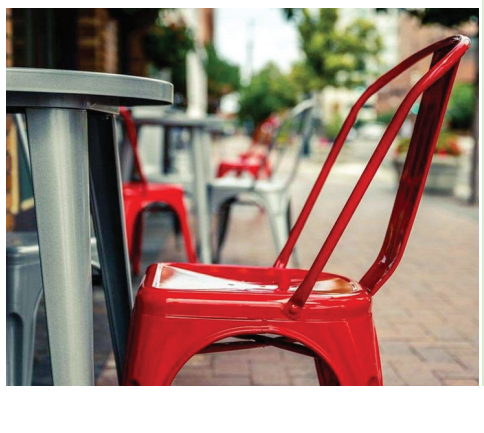

# 1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

### सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

### कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

### हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

### धनिया उगाने का आसान तरीका

**आवश्यक सामग्री**- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

**विधि** - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें। बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## लास वेगास के परिवार का दावा...उन्होंने एलियन को देखा

लास वेगास ।अमेरिका के लास वेगास में एक परिवार ने दावा किया हैं कि उसने अपने घर के पीछे एलियन को देखा, वह 8 फीट लंबा था।मामले में पुलिस ने भी जांच की है।परिवार का कहना है कि पहले आसमान में एक हरी रंग की रोशनी देखी, इसके बाद तेज धमाका हुआ और ऐसा लगा कि आकाश से नीचे कुछ गिरा हो।तेज रोशनी के साथ धरती से कुछ टकराया, ऐसा लगा मानो बिजली गिरी या कोई एनर्जी आई हो।इसका असर महसूस हुआ था।परिवार का दावा है कि इसके बाद लगा कि बहुत सारे कदमों की आहट आई, जब देखा तब वहां एक आठ फीट का गैर मानव था, जबकि दूसरा बड़ी सी मशीन के अंदर बैठा हुआ था।पुलिस ने बताया कि घबराए परिवार ने 911 पर कॉल कर कहा कि उसने गैर मानव ( एलियन) को देखा है।पुलिस के हवाले से बताया कि परिवार ने बताया कि वे एलियन ही थे, जो बड़ी-बड़ी आंखों से परिवार को देख रहे थे।वे मानव नहीं थे, 100 फीसदी इंसान नहीं थे।ये घटना 1 मई की है।अब लास वेगास पुलिस ने इसका वीडियो जारी किया है।यह क्लिप एक पुलिस अधिकारी के बॉडी कैमरे के जरिए रिकॉर्ड हुई थी। इसमें आसमान में कुछ नीचे की तरफ आता देखा जा सकता है।वहीं अधिकारी ने बताया कि उसने और उसके एक साथी ने यह दृश ?य देखा था।

## न्यूयॉर्क में सड़क पर चल रही पार्टी, अचानक गोली चलाने से कई हुए घायल

न्यूयॉर्क। अमेरिका के अलग-अलग शहरों में, स्कूलों में, मॉल में आए दिन, दिन दहाड़े हत्या के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कभी किसी स्कूल में कोई बच्चों पर अंधाधुंध गोली चलाता है, तब कभी किसी भीड़ भरे इलाकों में ऐसी वारदात को अंजाम दिया जा रहा है।खास बात यह है कि इस तरह की घटनाओं के पीछे किसी तरह का कोई खास मकसद भी नहीं है।ऐसा ही एक मामला न्यूयॉर्क के सिरैक्यूज इलाके में सामने आया है।रिपोर्ट के मुताबिक यहां पर सड़क पर चल रही पार्टी के दौरान करीब 13 लोग घायल हो गए।जिसमें कुछ गोली या चाकू लगने से घायल हुए और कुछ लोगों को गाड़ी से टक्कर मारी गई। शहर के पश्चिम में डेविस स्ट्रीट के 100 ब्लॉक पर सैकड़ों लोग जमा थे, तभी स्थानीय समयानुसार करीब 12.22 मिनट पर अचानक गोलियों की आवाज सुनाई दी। इस गोलीबारी में 4 लोगों को गोली लगी।6 लोगों पर चाकू से वार हुआ और 3 लोग हंगामा कर रहे लोगों की गाड़ी की चपेट में आ गए थे।घायलों में 3 पुरुष और 10 महिलाएं शामिल हैं।जिनकी उम्र 17-25 के साल की थी।रिपोर्ट के मुताबिक घायलों का इलाज चल रहा है। जिन लोगों को गोली लगी उसमें 17 साल, 20 और 22 साल की लड़की भी शामिल है।यह लोग यहां एक ब्लॉक पार्टी में शामिल हुए थे, जिसके बारे में सोशल मीडिया के जरिये सूचना दी गई थी। पार्टी में किसी बात पर लोगों के बीच लड़ाई शुरू हो गई थी। जो आगे चलकर हाथापाई और चाकू, गोली तक जा पहुंची।वहां गश्त कर रही पुलिस ने जब गोलियों की आवाज सुनी तब वह तुरंत मौके पर पहुंची।पुलिस के मुताबिक पार्टी करने वालों में हाई स्कूल, स्नातक हुए छात्र और कॉलेज के छात्र शामिल थे।इस पार्टी के लिए किसी तरह की कोई अनुमति भी नहीं दी गई थी।

## 26 साल में बनी इमरान की पार्टी 26 मिनट में बिखर गई : मरियम

मुल्तान । पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर तंज कसते हुए कहा है कि 9 मई को हुई हिंसा के बाद जारी पलायन के पश्चात पूरी विपक्षी पार्टी एक रिक्शे में आ जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, मरियम ने पीटीआई प्रमुख और पूर्व पीएम इमरान खान का जिक्र कर कहा, आज वह खुद



पार्टी के अध्यक्ष, महासचिव, मुख्य संयोजक और प्रवक्ता हैं, और अपनी पार्टी के एकमात्र उम्मीदवार हैं।उन्होंने कहा कि 26 साल की कड़ी मेहनत के बाद बनी पीटीआई 26 मिनट में बिखर गई। उन्होंने कहा कि खान 9 मई को रक्षा और असैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमलों के मास्टरमाइंड हैं, लेकिन अब वह वार्ता और बैठकों की भीख मांग रहे हैं। उन्होंने सरकारी संस्थानों पर हमला करने के लिए लोगों को उकसाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि जब पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ को सत्ता से हटाया गया था, तब उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से कभी सरकारी इमारतों में आग लगाने के लिए नहीं कहा।मरियम ने कहा कि युवा पाकिस्तान का उज्जवल भविष्य हैं और उन्हें देश की सुरक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। मरियम ने इमरान का नाम लिए बिना कहा, यह फितना (बुराई) अब दफन हो गई है।आइए समृद्धि की एक नई यात्रा शुरू करें।उन्होंने व्यंग्यात्मक ढंग से कहा, उनकी पार्टी इतनी कम हो गई है कि अब इस रिक्शा में ले जाया जा सकता है।मरियम ने कहा कि जो कहता था कि वह पीएमएल-एन के नेताओं को रुलाएगा, वह अब खुद दिन-रात रो रहा है।

## ऑस्ट्रेलिया में हुआ भीषण सड़क हादसा, 10 की गई जान, 25 घायल अस्पताल में भर्ती

कैनबरा ।ऑस्ट्रेलिया के ग्रेटा शहर में भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। ग्रेटा के वाइन क्षेत्र में एक बस के पलट जाने से 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त ट्रेसी चैपमैन ने बताया कि बस चालक (58) को गिरफ्तार कर लिया गया है।उसे सेसनॉक थाने ले जाया गया और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।उन्होंने चालक के खिलाफ लगाए जाने वाले आरोपों की विस्तृत जानकारी नहीं दी।हालांकि, उन्होंने मीडिया से कहा कि आरोप लगाने के लिए हमारे पास पर्याप्त जानकारी है। सिडनी के उत्तर में ग्रेटा शहर में वाइन कंट्री ड्राइव पर गोल चक्कर पर रात करीब साढ़े 11 बजे के बाद हादसा हुआ।बस में सवार लोग एक शादी समारोह में शिरकत करके लौट रहे थे।उन्होंने बताया कि 25 लोग हादसे में घायल हो गए और उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया। बस में सवार अन्य 18 लोग सुरक्षित हैं।ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मौके पर पहुंचे बचाव कर्मियों का शुक्रिया अदा किया और पीड़ितों तथा उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया।सेस्नॉक के मेयर जय सुवाल ने भी घटना पर दुख व्यक्त किया है।

## भारतीय छात्रों के निर्वासन को लेकर कनाडा के विपक्ष के नेता आए समर्थन में

ओटावा ।कनाडा में भारतीय छात्रों के निर्वासन को लेकर मामला गर्म होता जा रहा है।कनाडा सरकार में विपिक्ष के नेता पियरे पोइलीवरे इन छात्रों के समर्थन में उतर आए हैं। इसके लिए वर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को जिम्मेदार ठहराया गया है। विपक्षी नेता पोइलीवरे ने सरकार से छात्रों को निर्वासन को रोकने के लिए आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ मुकदमा चलाया जाए।वहीं, ईमानदार छात्रों को रहने, काम करने और कनाडा में योगदान देने का मौका दिया जाए।पोइलीवरे ने कहा कि ट्रूडो सरकार अंतरराष्ट्रीय छात्रों को कुटिल घोटालेबाजों से बचाने में विफल रही है और अब, ट्रूडो छात्रों को निर्वासित करके पीड़ितों को दंडित कर रहे हैं यहां तक कि उन लोगों को भी जिन्होंने अच्छे विश्वास के साथ काम किया है और सालों से यहां काम कर रहे हैं और टैक्स का भुगतान भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धोखेबाजों पर मुकदमा चलाएं।इतना ही नहीं पोइलीवरे ने निर्वासन का सामना कर रहे छात्रों के परिवारों के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरें भी पोस्ट कीं। कनाडा में निर्वासन का सामना कर रहे भारतीय छात्रों के मुद्दे को विदेश मंत्री एस जयशंकर अपने कनाडाई समकक्ष के साथ उठा रहे हैं। भारत ने कनाडाई अधिकारियों से बार-बार निष्पक्ष रहने का आग्रह किया गया है क्योंकि छात्रों की गलती नहीं थी।इस बीच पूरे घटनाक्रम को लेकर मोदी सरकसर पूरी तरह से चिंतित है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत भारतीय छात्रों के मामले को दबाना जारी रखेगा, यह कहते हुए कि उस छात्र को दंडित करना अनुचित है जिसने अपनी शिक्षा अच्छी नीयत से ली है और दोषी पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्हें गुमराह किया गया। कुछ समय के लिए, छात्रों का यह मामला है, जो कनाडाई कहते हैं, उस कॉलेज में नहीं पढ़ा जिसमें उन्हें होना चाहिए था और जब उन्होंने वर्क परमिट के लिए आवेदन किया, तब वे मुश्किलों में पड़ गए।

फिलीपींस के अल्बे प्रांत में मयोन ज्वालामुखी से निकलता हुआ लावा।

## अमेरिकी यात्रा से पहले न्यू जर्सी के एक रेस्टोरेंट ने मोदी जी थाली' लांच करने की तैयारी

न्यू जर्सी (ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका की आगामी राजकीय यात्रा से पहले न्यू जर्सी के एक रेस्टोरेंट ने एक स्पेशल 'मोदी जी थाली' लांच करने की तैयार की है।पीएम मोदी जून में राष्ट्रपति जो बाइडेन और फर्स्ट लेडी जिल के निमंत्रण पर अमेरिका की राजकीय यात्रा पर जाएंगे।अमेरिका के राष्ट्रपति 22 जून को राजकीय रात्रि भोज में पीएम मोदी की मेजबानी भी करने वाले हैं। इसके अलावा पीएम नरेंद्र मोदी दूसरी बार अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित करने वाले पहले भारतीय पीएम बनने वाले हैं। पीएम मोदी के केवल भारत में नहीं बल्कि विदेशों में भी बहुत ज्यादा प्रशंसक हैं। वे जहां भी जाते हैं, वहां भारतीय प्रवासियों से प्यार की धारा बह निकलती है। शेफ श्रीपद कुलकर्णी ने इस स्पेशल 'मोदी जी थाली को डिजाइन किया है।इसमें कई भारतीय व्यंजन शामिल हैं। मोदी जी थाली' में खिचड़ी, रसगुल्ला, सरसो का साग और दम आलू से लेकर कश्मीरी व्यंजन, इडली, ढोकला, छाछ और पापड़ तक हैं।हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने 2019 में भारत सरकार की पहल के बाद 2023 को 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स' घोषित किया। इस उपलब्धि का जश्न मनाने और मोटे अनाजों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए रेस्टोरेंट ने मिलेट्स का उपयोग करके एक भव्य थाली तैयार की है। रेस्टोरेंट के मालिक की जल्द ही विदेश मंत्री एस जयशंकर को समर्पित एक और थाली लांच करने की योजना है। उन्होंने कहा कि 'हम थाली को जल्द ही लांच करने की योजना हैं। एक बार अच्छी तरह से हो जाए तब मैं एक डॉ. जयशंकर थाली लांच करने की भी योजना बना रहा हूं।क्योंकि उनके पास भी भारतीय अमेरिकी समुदाय के बीच रॉकस्टार की अपील है। यह पहली बार नहीं है जब किसी रेस्टोरेंट ने पीएम मोदी को थाली समर्पित की है। पिछले साल 17 सितंबर को पीएम मोदी के जन्मदिन से पहले दिल्ली के एक रेस्तरां ने '56 इंच की नरेंद्र मोदी थाली' नाम की एक थाली लांच की थी।

## लैब में ही चीन ने बनाया था कोरोना वायरस, बायो हथियार की थी तैयारी? जांचकर्ताओं ने किया बड़ा खुलासा

**बीजिंग (एजेंसी)।** तीन साल से अधिक समय पहले कोविड महामारी की शुरुआत के बाद से इस बात पर बहस होती रही है कि क्या वायरस प्रयोगशाला में रिसाव के कारण उभरा है या ये प्रकृति से आया है। जिन शोधकर्ताओं ने इन वर्षों में उत्तर खोजने का प्रयास किया है, वे चीन के पारदर्शिता की कमी को उजागर भी करते रहे हैं, जिस देश से वायरस पहली बार सामने आया था। हालांकिद संडे टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया कि चीनी वैज्ञानिक खतरनाक प्रयोगों की एक गुप्त परियोजना चला रहे थे, जिसके कारण वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी से रिसाव हुआ और कोविड का प्रकोप शुरू हुआ।

ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया गया है



कि कोरोना वायरस को चीन की वुहान लैब में ही बनाया गया। इसे चीन की सेना के लिए बनाया जा रहा था। संडे टाइम्स की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसके मुताबिक, वुहान लैब कि वैज्ञानिक वहां की सेना के साथ मिलकर दुनिया के सबसे घातक कोरोना वायरसों को मिलाकर नया म्यूटेंट वायरस बना रहे थे। इसी दौरान कोरोना महामारी की शुरुआत हुई। यह वायरस वुहान इंस्टिट्यूट इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी से लीक हुआ और कोविड महामारी फैलने लगी।

यह रिपोर्ट सैकड़ों दस्तावेजों पर आधारित है। इसमें पहले की गोपनीय रिपोर्ट, अंदरूनी आदेश, रिसर्च पेपर और ईमेल शामिल हैं। एक जांचकर्ता ने कहा कि यह और साफ हो गया कि कोरोना वायरस को बनाने, म्यूटेशन और इस महामारी को गुप्त रखने में वुहान के इंस्टिट्यूट का हाथ था। चीन जैविक हथियार बना रहा था। एक जांचकर्ता की मानें तो वैज्ञानिक एक ऐसे वायरस को तैयार करने में लगे थे जिसे जैविक हथियार की तरह प्रयोग किया जा सके।

## केरल प्रगतिशील विचारों का प्रकाश स्तंभ, जहां हर एक आवाज मायने रखती है: सीएम विजयन

### -विजयन ने किया 'लोका केरल सभा' के अमेरिकन रिजनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

**न्यूयॉर्क (एजेंसी)।** केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि केरल प्रगतिशील विचारों के प्रकाश स्तंभ के रूप में चमकता है, जहां हर एक आवाज मायने रखती है और एकता की भावना उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। विजयन ने रविवार को एक कार्यक्रम में राज्य के प्रवासी समुदाय के सदस्यों को संबोधित किया। विजयन ने शनिवार को 'लोका केरल सभा' के अमेरिकन रिज़नल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन भी किया था। 'लोका केरल सभा' न्यूयॉर्क में प्रवासी केरलवासियों का एक मंच है। उन्होंने कहा कि हमने पिछले छह वर्षों में हर क्षेत्र में विशाल प्रगति की है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजयन ने केरल के प्रगतिशील मूल्यों, सामाजिक सद्भाव और समान विकास को रेखांकित किया।

विजयन ने शिक्षा, स्वास्थ्य प्रणाली तथा अन्य क्षेत्रों में हुए ढांचगत विकास व निवेश और उनके प्रशासन में हुए आर्थिक विकास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राज्य समावेशी विकास का एक 'मॉडल' है और जन-केंद्रित प्रगति का उदाहरण बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि करुणा व सामाजिक न्याय हमारी नीतियों को संचालित करते हैं जो वंचित समुदायों को सशक्त बनाती हैं और सभी के लिए समान अवसरों को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि केरल प्रगतिशील विचारों के प्रकाश स्तंभ के रूप में चमकता है, जहां हर आवाज मायने रखती है और एकता की भावना उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है।

विजयन ने न केवल अमेरिका में बल्कि दुनिया भर में मौजूद मलयाली लोगों से अपनी सरजमीं को अधिक समृद्ध बनाने के लिए आने वाले समय में सहयोग जारी रखने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि केरल मई में भारत का पहला पूर्ण रूप से ई-शासित राज्य बन गया था। उन्होंने कहा कि यह उस 'केरल मॉडल' के लिए एक मील का पत्थर है, ''जिसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना की जाती है।'' विजयन ने कहा, '' ई-शासन से हम पारदर्शिता, दक्षता और समावेश को बढ़ावा दे रहे हैं।

## उत्तर कोरिया में बढ़ रहे सुसाइड केस, किम जोंग उन ने दे दिया एक नया सीक्रेट ऑर्डर

**सियोल (एजेंसी)।** उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने एक नया सीक्रेट ऑर्डर दिया है। इसमें उन्होने आत्महत्या पर बैन लगाने का आदेश दिया है। रेडियो फ्री एशिया से बात करने वाले सरकारी अधिकारियों के अनुसार, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने आत्महत्या पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया क्योंकि आंकड़े आसमान छू रहे थे। हालांकि इसको लेकर सटीक आंकड़े सामने नहीं आए, कहा जा रहा है कि प्योंगयांग के डेटा को छुपाया जा रहा है। लेकिन दक्षिण कोरियाई खुफिया विभाग ने मई में अनुमान लगाया था कि उत्तर कोरिया में पिछले वर्ष की तुलना में आत्महत्याओं में लगभग 40प्र. की वृद्धि हुई है।

निर्देश में किम जोंग उन ने आत्महत्या को समाजवाद के खिलाफ देशद्रोह का कार्य बताया है। इसके साथ ही आदेश में कहा गया है कि स्थानीय सरकारी अधिकारियों को अपने अधिकार क्षेत्र में लोगों को खुद को मारने से रोकने में विफल रहने के लिए संयुक्त रूप से जवाबदेह ठहराया जाएगा। उत्तरी हामग्योंग के पूर्वोत्तर प्रांत के एक अधिकारी ने रेडियो फ्री एशिया को बताया कि उत्तर कोरियाई प्रांतों में आपातकालीन बैठकों की एक श्रृंखला में भी इस आदेश का उल्लेख किया गया।

इसके अलावा, आत्महत्याओं की संख्या पर डेटा प्रदान किया गया था और साथ ही पूरे परिवारों के खुद को मारने के उदाहरण दिए गए थे, अधिकारी ने दावा किया कि बैठक में भाग लेने वाले लोग ÷देश और सामाजिक व्यवस्था की आलोचना करने वाले सुसाइड नोट के खुलासे से हैरान थे।

## डोनाल्ड ट्रंप गोपनीय दस्तावेज केस में कोर्ट में होंगे पेश

### -ट्रंप ने समर्थकों से कोर्ट के बाहर प्रदर्शन करने की अपील की

**सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।** वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गोपनीय दस्तावेज मामले में मंगलवार को मियामी की कोर्ट में पेश होंगे। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गोपनीय दस्तावेज अपने आवास में रखने को लेकर आपराधिक मामला दर्ज है। ट्रंप और उनके सहयोगियों ने समर्थकों को इसके खिलाफ अदालत के बाहर प्रदर्शन करने को कहा। अभियोग से पहले पूर्व राष्ट्रपति ने न्याय विभाग के विशेष वकील जैक स्मिथ के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और उन्हें विक्षिप्त तथा अभियोजकों की उनकी टीम को ठग करार दिया। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि वह राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हैं।

ट्रंप ने अपने समर्थकों से मियामी कोर्ट हाउस के बाहर प्रदर्शन में शामिल होने को कहा। ट्रंप ने मीडिया को दिए एक साक्षात्कार में अपने मित्र एवं सलाहकार रोजर स्टोन से कहा कहा कि हमें अब हमारे देश में ताकत चाहिए। उन्हें बाहर जाना है और उन्हें शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना है। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि देखो, हमारे देश को प्रदर्शन करना है। बहुत सारे विरोध प्रदर्शन करने हैं। हमने सबकुछ खो दिया है। ट्रंप ने संकल्प लिया कि वह अभियोग के बावजूद राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में बने रहेंगे। पूर्व राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को गोपनीय दस्तावेज रखने संबंधी मामले में अभ्यारोपित किया गया है। ट्रंप के आवास से गोपनीय दस्तावेज मिलने संबंधी आरोपों से जुड़े अभियोग को शुक्रवार को सार्वजनिक कर दिया गया था। यह मामला फ्लोरिडा स्थित ट्रंप के आवास मार-ए-लागो से सैकड़ों गोपनीय दस्तावेज मिलने से जुड़ा है।

## पूर्व पीएम जॉनसन की सम्मान सूची में प्रीति पटेल व रेंजर का नाम

**लंदन (एजेंसी)।**ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की सम्मान सूची में ब्रिटिश भारतीयों प्रीति पटेल और कुलवीर सिंह रेंजर को पुरस्कृत किया गया, जो उनके सांसद पद से इस्तीफा देने से कुछ घंटे पहले आई थी। गौरतलब है कि सम्मान सूची, निवर्तमान प्रधानमंत्रियों को दी जाने वाली एक परंपरा है। इसमें 38 सम्मान पाने वाले और सात सहकर्मी शामिल थे। इस जॉनसन के प्रधानमंत्री पद छोड़ने के नौ महीने बाद प्रधानमंत्री ऋषि सनक द्वारा अनुमोदित किया गया था। पूर्व गृह सचिव प्रीति पटेल को डेम्स कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर नामित किया गया, जबकि परिवहन के पूर्व निदेशक रेंजर को लॉर्डस में पदोन्नत किया गया।

पटेल ने जुलाई 2019 से जॉनसन के तहत गृह सचिव के रूप में कार्य किया, और प्रधानमंत्री के रूप में लिज ट्रस की नियुक्ति से ठीक पहले सितंबर 2022 में पद से इस्तीफा दे दिया। पिछले सप्ताह जॉनसन के सांसद के रूप में इस्तीफे के एक दिन बाद,



पटेल ने उनकी प्रशंसा करते हुए उन्हें मार्गरेट थैचर के बाद ब्रिटेन का सबसे अधिक चुनावी सफल प्रधानमंत्री कहा। पटेल ने ट्वीट किया, जॉनसन ने हमारे देश और अपने निर्वाचन क्षेत्र की विशिष्टता के साथ सेवा की है। उन्होंने यूक्रेन का समर्थन करने में दुनिया का नेतृत्व किया, ब्रेक्सिट किया, और मार्गरेट थैचर के बाद से हमारे सबसे चुनावी सफल प्रधान मंत्री थे। बोरिस एक राजनीतिक दिग्गज हैं, जिनकी विरासत समय की कसौटी पर खरी उतरेगी। मई 2008 में जॉनसन के मेयर का चुनाव जीतने के बाद रेंजर को परिवहन नीति के निदेशक के रूप में चुना गया था। रेंजर ने जॉनसन को धन्यवाद देकर ट्वीट में लिखा, बहुत गर्व के साथ मैं पुष्टि कर सकता हूं कि मुझे हाउस ऑफ लॉर्डस में पदोन्नत किया गया है। यह मान्यता सिर्फ मेरी नहीं है, बल्कि मैं अपने परिवार और दोस्तों, सिख समुदाय और कई उद्योग सहयोगियों और रूढ़िवादी मित्रों के साथ साझा करता हूं, जिसका समर्थन करने और पिछले 25 वर्षों में कंधे से कंधा मिलाकर चलने की मुझे खुशी है। रेंजर ने लिखा, हमने जो कुछ भी हासिल किया है, उस पर मुझे गर्व है, लेकिन अब चैंपियन बने रहने और उन चीजों में सुधार करने के लिए तत्पर हैं, जिनके बारे में मैं भावुक हूं। सूची ने रूढ़िवादी राजनेताओं जैकब रीस-मोग और साइमन क्लार्क को नाइटहुड से सम्मानित किया। मार्टिन रेनॉल्ड्स, एक वरिष्ठ सिविल सेवक और जॉनसन के पूर्व प्रमुख निजी सचिव, को सार्वजनिक सेवा के लिए ऑर्डर ऑफ द बाथ पुरस्कार दिया गया। रेनॉल्ड्स ने डाउनिंग स्ट्रीट गार्डन में लोगों को अपनी खुद की शराब लाने के लिए आमंत्रित किया था, जब मई 2020 में ब्रिटेन में तालाबंदी हुई थी। लेबर पार्टी की उप नेता एंजेला रेनर ने जॉनसन की सम्मान सूची को घिनौना अपमान कहा। जॉनसन ने 9 जून को एक कंजर्वेटिव सांसद के रूप में पद छोड़ दिया, यह दावा करने के बाद कि उन्हें पार्टीगेट घोटाले पर संसद से बाहर कर दिया गया था।

## आईएमएफ से पैकेज मिलने की उम्मीदें लगभग खत्म, शाहवाज ने कहा जनता से अपील करुंगा

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** कंगाल पड़ोसी देश पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि अगर सरकार 30 जून से पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ बेलआउट पैकेज के लिए सौदा करने में असमर्थ रही, तब वह जनता के बीच जाएंगे। इससे पहले पीएम शरीफ ने मजबूती से इसकी संभावना जाहिर की थी कि इस महीने के अंत तक आईएमएफ से डील होगी। उन्होंने आईएमएफ चीफ से फोन पर बात कर उसी के हिसाब से बजट बनाने के लिए वित्त मंत्री को निर्देश भी दिए थे।

पाकिस्तानी अखबार की रिपोर्ट में कहा है, कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए शहबाज ने कहा कि उनकी सरकार ने आईएमएफ की अगली किश्त जारी करने के लिए उसकी सभी शर्तों को पूरा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाक पीएम मामले में अभी भी वैश्विक ऋणदाता के साथ उस सौदे को लेकर आशावादी हैं।

हालांकि, शहबाज ने कहा, पाकिस्तान ने सभी शर्तें पूरी की हैं और उम्मीद है कि आईएमएफ के साथ समझौते पर इसी महीने दस्तखत हो जाएंगे। उन्होंने कहा, अगर आईएमएफ समझौते में देरी होती है, तब मैं पाकिस्तानी लोगों से अपील करूंगा। हालांकि इससे ज्यादा उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा लेकिन आईएमएफ डील पर पीएम की इस तरह की टिप्पणी के कई मायने निकाले जा रहे हैं।

कई विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा 6.5 अरब डॉलर के आईएमएफ कार्यक्रम के पुनरुद्धार की संभावना अब लगभग खत्म हो गई है, क्योंकि यह कार्यक्रम 30 जून को समाप्त हो रहा है। बता दें कि 6.5 अरब डॉलर के पैकेज में से 2.6 अरब डॉलर का भुगतान आईएमएफ ने अभी तक नहीं किया है।

शहबाज ने मौजूदा आर्थिक संकट के लिए पिछली सरकार को जिम्मेदार ठहराकर कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार ने आईएमएफ के साथ समझौते का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा, पीटीआई सरकार का पूरा ध्यान विपक्ष को जेल भेजने पर था। शरीफ ने कहा कि पीटीआई का फासीवादी शासन, जो 2018 के चुनावों में धांधली के परिणामस्वरूप सत्ता में आया, ने सभी विकास परियोजनाओं को रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इमरान खान के चार साल के शासनकाल में सभी चीनी परियोजनाओं को रद्द किया और देश में कोई विकास कार्य नहीं किया गया। शरीफ ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान गैस की कीमतें निचले स्तर पर आ गई थीं लेकिन तत्कालीन पीटीआई सरकार ने इस मौके का फायदा नहीं उठाया। पीटीआई सरकार का सारा ध्यान अपने विरोधियों को जेल भेजने पर ही रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## 10 महीने बाद नाइजीरिया से लौटा कानपुर का लाल, मोदी को ?दिया धन्यवाद

कानपुर । कानपुर का रोशन पूरे दस माह बाद नाइजी ?रिया से भारत लौटा है। जानकारी के अनुसार रोशन मर्चेंट नेवी में नौकरी करता था। वह अपनी शिपमेंट के साथ नाइजीरिया गया था। जहां पर उसकी शिप को बंदी बना लिया गया। करीब 10 महीने बाद अब नाइजीरिया से 16 भारतीय क्रू मेंबर रिहा हुए हैं। जिसमें कानपुर का रोशन भी शामिल है। रोशन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं तो यह मुमकिन है कि वे लोग भारत आ सके हैं अपनों के बीच में आकर वह बेहद खुश हैं। जब वह अपने घर पहुंचा तो घर में परिजन उसको देखकर भावुक हो गए सभी ने उसे गले लगा लिया। घर ही नहीं बल्कि पूरे मोहल्ले में जश्न जैसा माहौल दिखाई दिया। इस दौरान रोशन ने कहा कि भारतीय सरकार के द्वारा काफी मशक्कत की गई जिसके बाद वह सब घर लौट सके हैं। गौरतलब है ?कि कुछ महीने पहले सोशल मीडिया पर एक परिवार द्वारा अपने भाई के पक्ष में अपील की गई थी कि सरकार उनकी गुहार सुने और उनके भाई को नजरिया से वापस लाया जाए। परिजनों ने वीडियो के माध्यम से बताया था कि उनका बेटा मर्चेंट नेवी में नौकरी करता था। काम के सिलसिले में वह लोग नाइजीरिया गए थे। जहां पर उन्हें बंदी बना लिया गया है। बेटे से जब बात हुई थी तो उन्होंने बताया था कि उन्हें बंदी बना लिया गया है। वहां काफी समस्याएं आ रही है। उनके फोन वगैरह छीन लिए गए हैं। जिसके बाद परिजन परेशान हो गए थे और सरकार से गुहार लगा रहे थे कि उनके बेटे को वापस लाया जाए। 10 महीने तक चली कवायद के बाद सभी फंसे भारतीय भारत आ गए हैं जिसमें रोशन भी शामिल हैं। गोविंद नगर थाना क्षेत्र के लेबर कॉलोनी में रहने वाले मनोज अरोड़ा का बेटा रोशन मर्चेंट नेवी में असिस्टेंट ऑफिसर है। रोशन अरोड़ा ने बताया कि बीते 10 महीने मेरी जिंदगी के सबसे खराब दिन थे। एक-एक दिन घुट-घुट कर ?निकल रहे थे। हमारे साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जा रहा था। हमको डरा कर रखा जा रहा था फिर धीरे-धीरे हमें मदद मिलनी शुरू हुई। हमारे ऊपर लगाए गए सारे आरोप हटाए गए और हमें वापस हमारे देश लाया गया।

## गाजियाबाद के ऑनलाइन धर्मांतरण मामले में जाकिर के बाद बिलाल फिलिप का नाम आया सामने

लखनऊ । गाजियाबाद के ऑनलाइन धर्मांतरण के मामले में फरार चल रहे आरोपी शाहनवाज मकसूद खान उर्फ बद्दो को ठाणे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश धर्मांतरण माड्यूल मामले में जाकिर नाइक के बाद अब एक और अंतरराष्ट्रीय किरदार का खुलासा हुआ है। यह है बिलाल फिलिप जो कि जाकिर का दोस्त है। यह अपने आपको सोशल मीडिया पर धर्म प्रचारक होने का दावा करता है। यूपी धर्मांतरण माड्यूल की तफ्तीश कर रही केन्द्रीय जांच एजेंसियों को ये जानकारी मिली है कि पिछले एक साल में गाजियाबाद धर्मांतरण रैकेट से जुड़े लोग इसकी भी स्पीच सुनते थे और इसकी क्लिप को वायरल भी किया जाता था। यह ठीक उसी तरह था जैसे जाकिर नाइक की स्पीच को वायरल किया जाता। बिलाल का नाम 2021 के यूपी धर्मांतरण रैकेट में भी सामने आया था। भगौड़े नाइक को भारत सरकार की जांच एजेंसी एनआईए ने अपनी मोस्ट वांटेड की सूची में शामिल किया है। अब जाकिर नाइक का करीबी सहयोगी बिलाल फिलिप भी जांच एजेंसियों के निशाने पर है। जांच एजेंसियों के मुताबिक जाकिर की तरह बिलाल के भी विवादस्पद भाषणों का इस्तेमाल यूपी धर्मांतरण माड्यूल में किया जाता था। धर्मांतरण रैकेट इन भाषणों को रिकार्ड करके वायरल भी किया जाता था। जाकिर से बिलाल की दोस्ती पुरानी है और अक्सर भगोड़ा मोस्ट वांटेड जाकिर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बिलाल की तस्वीरें भी शेयर करता है। बिलाल सिर्फ भारतीय जांच एजेंसियों के लिए ही खतरा नहीं बना है। अपने चरमपंथी विचारों के कारण फिलिप को यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क और केन्या में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा है। अबू अमेना बिलाल फिलिप्स अपने आपको इस्लामिक प्रीचर, इस्लामिक ऑनलाइन विश्वविद्यालय के संस्थापक और चांसलर बताता है जो कतर में हैं। बिलाल फिलिप्स के पास कनाडा की नागरिकता भी है। उनका असली नाम डेनिस ब्रैडली फिलिप्स है।

## गंगा आरती में शामिल हुए जी-20 के विदेशी मेहमान, दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

वाराणसी । विदेश मेहमानों के लिए गंगा आरती का अद्भुद नजारा देखने को मिला है। जहां उत्तर प्रदेश के काशी में हो रहे जी-20 देशों के सम्मेलन में विदेशी मेहमान शामिल होने पहुंचे। सभी विदेशी मेहमान विश्व प्रसिद्ध दशाश्वमेध घाट पर आयोजित गंगा आरती में शामिल हुए और शंखनाद, घंटी, डमरू की आवाज और मां गंगा के जयकारों के बीच हुई गंगा आरती देखी। विदेशी मेहमान मां गंगा की आरती को देखकर बहुत खुश हुए और उन्होंने भारतीय संस्कृति की अद्भुत छटा निहारी। गौरतलब है कि, जी-20 देशों का सम्मेलन 11 से 13 जून के बीच होगा। यह सम्मेलन 11 जून से शुरू हो चुका है। इसमें शामिल होने विदेशी मेहमानों का दल रविवार को वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे पहुंचा। वहां मेहमानों का टीका लगाकर व पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। जी 20 सम्मेलन में शामिल होने आए विदेशी मेहमानों के दल के स्वागत के लिए हवाई अड्डे से होटल ताज तक तक प्रमुख चौराहों पर डमरू दलों और विभिन्न सांस्कृतिक दलों द्वारा स्वागत किया गया। इसके बाद विदेशी मेहमान के सामने मां गंगा की महाआरती भव्य स्वरूप में शुरू हुई, जहां अर्चकों ने आरती उतारी और चंवर भी डोलाया। दशाश्वमेध घाट को फूल मालाओं एवं दीपों से सजाया गया था। गंगा आरती की शुरुआत देवाधिदेव महादेव की प्रतिमा पर पुष्प वर्षा कर गणपति पूजन से हुई। जी-20 देशों के विकास मंत्रियों सहित 200 विदेशी मेहमान प्रतिनिधियों का नेतृत्व भारत के विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर कर रहे थे। आरती के दौरान विदेशी मेहमान ऐसे अभिभूत हुए कि वे भी सोफे पर बैठे-बैठे थाप दे रहे थे।

## मोदी ने 9 साल में 29 लाख करोड़ रुपये लोगों के खाते में भेजे : भाजपा

नई दिल्ली । भाजपा ने पिछले 9 साल के मोदी राज का लेखा जोखा जनता के सामने रखा है। वहीं रैलियों, जनसंपर्क अभियान से लेकर सोशल मीडिया तक मोदी सरकार के 9 साल की उपलब्धियों का प्रचार प्रसार कर रही भाजपा ने एक बार फिर से भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यह दावा किया है कि मोदी सरकार ने पिछले 9 सालों के दौरान विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का 29 लाख करोड़ रुपया सीधे लाभार्थी लोगों के बैंक खाते में डालने का काम किया है। जबकि कांग्रेस सरकार के जमाने में बड़ी रकम कांग्रेस के बिचौलिये खा जाते थे। भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने सोमवार को मोदी सरकार की कई उपलब्धियों को गिनाते हुए सिलसिलेवार एक के बाद एक कई ट्वीट कर कहा, जनधन, मोबाइल और आधार ने सीधा लोगों तक सरकार के पैसे को पहुंचाया। सरकार ने पिछले 9 सालों में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का 29 लाख करोड़ सीधे लोगों के अकाउंट में डाला। भाजपा ने कहा ?कि पहले एक बड़ी रकम कांग्रेस के बिचौलिये खा जाते थे। मालवीय ने 2014 के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के लगातार मजबूत होने की बात कहते हुए यह भी कहा कि पिछले 9 सालों में मोदी सरकार ने बैंकों की बैलेंस शीट को साफ कर उन्हें सुदृढ़ बनाया, एक मजबूत टैक्स प्रणाली जीएसटी को लागू किया, भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। भारत आज फिनटेक अपनाने में नंबर वन है, दुनिया में सबसे ज्यादा डिजिटल लेन-देन भारत में हो रहा है और भारतीय रिजर्व बैंक ने दुनिया के 18 देशों के बैंकों को अप्रैल 2023 में भारतीय रुपये में व्यापार करने की अनुमति दी है।

## शरद पवार को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक गिरफ्तार

मुंबई । पुलिस की अपराध शाखा ने एनसीपी नेता शरद पवार को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुणे से एक आईटी पेशेवर को गिरफ्तार किया। 32 वर्षीय सागर बर्वे के रूप में पहचाने गए संदिग्ध को एस्प्लेनेड अदालत में पेश किया गया। उसे 14 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। बर्वे ने कथित तौर पर फेसबुक पर शरद पवार के खिलाफ धमकी भरा पोस्ट किया था। फेसबुक और ट्विटर सहित सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिलने के बाद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। बर्वे ने नर्मदाबाई पटवर्धन नाम के हैंडल से पोस्ट किया था। फेसबुक पोस्ट में लिखा है कि पवार जल्द ही अंधविश्वास विरोधी धर्मयुद्ध नरेंद्र दाभोलकर के भाग्य से मिलेंगे, जिनकी 2013 में दो बाइक सवार हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जांच जारी है, लेकिन पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच में बर्वे का किसी पार्टी से कोई संबंध नहीं है।

# महिलाओं को हर माह मिलेंगे 1500 रुपये, गैस सिलेंडर 500 में, 100 यूनिट बिजली फ्री

### -प्रियंका गांधी ने जबलपुर में जनता से किए 6 वादे, चुनाव प्रचार अभियान की हुई शुरुआत

मप्र में चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि यदि कांग्रेस की सरकार प्रदेश में बनती है तो लोगों को 100 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी। इसके अलावा 200 यूनिट की खपत तक आधा शुल्क ही लिया जाएगा। प्रियंका गांधी ने महंगाई की मार झेल रहे लोगों खासकर महिलाओं से वादा किया कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर रसोई गैस का सिलेंडर 500 रुपये में मुहैया कराया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं से एक और वादा किया। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह दिया जाएगा, ताकि वह वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा सकें।

**जबलपुर (एजेंसी)।** प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी तो महिलाओं को हर माह 1500 रुपये दिए जाएंगे। साथ ही 500 रुपये में गैस सिलेंडर व सौ यूनिट बिजली फ्री मिलेगी। इसके साथ ही पुरानी पेंशन व्यवस्था को लागू किया जाएगा। यह बात कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने जबलपुर से विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए कही। उन्होंने अपने चुनावी संबोधन में जनता से 6 वादे भी किए। जिसमें मुफ्त बिजली से लेकर पुरानी पेंशन योजना की बहाली तक की बात कही। इसके माध्यम से कांग्रेस नेता ने युवाओं, महिलाओं, किसानों समेत अन्य तबकों को साधने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि यदि जनता जनार्दन ने कांग्रेस को अपना आशीर्वाद दिया तो उनकी पार्टी की सरकार सत्ता में आते ही सभी वादों पर तुरंत अमल करेगी। उन्होंने कमनाथ की मौजूदगी में चुनावी मंच से जनसभा को संबोधित करते हुए कर्नाटक का उल्लेख किया। प्रियंका ने कहा कि प्रदेश में सत्ता में आते ही उन्होंने चुनावी वादों पर अमल करना शुरू कर दिया था।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर भी बड़ा वादा किया है। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर पुरानी पेंशन व्यवस्था को फिर से बहाल की जाएगी। बता दें कि सरकार कर्मचारी पुरानी पेंशन व्यवस्था को बहाल करने की लगातार मांग कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने इस घोषणा के साथ ही नौकरीपेशा मध्य वर्ग को कांग्रेस की ओर आकर्षित करने की कोशिश की है। उन्होंने बताया कि जहां-जहां कांग्रेस की सरकार है, वहां-वहां ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू किया गया है। कांग्रेस नेता ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि बेरोजगारी और महंगाई युवा के साथ ही आमलोग परेशान हाल हैं। उन्होंने चुनावी वादों में किसानों का भी पूरा ध्यान रखा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार आई तो किसान कर्ज माफी योजना को आगे बढ़ाया जाएगा।

## रामलला के लिए अब विदेश से भी आ सकेगा दान, औपचारिकताएं हुईं पूरी

अयोध्या। अयोध्या में बन रहे रामलला मंदिर के लिए अब विदेश में बसे राम भक्त भी दान कर सकेंगे। इसके लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सारी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। गौरतलब है कि राम नगरी मर्यादा पुरुषोतम प्रभु राम का भव्य मंदिर तीव्र गति के साथ बन रहा है। मंदिर निर्माण के साथ प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु भी धर्म नगरी अयोध्या पहुंच रहे हैं। अपने आराध्य के दर्शन कर रहे हैं जैसे-जैसे अयोध्या में भव्य मंदिर आकार ले रहा है। वैसे-वैसे राम भक्तों ने रामलला के लिए अपनी तिजोरी भी खोल दी है। अभी तक पूरे देश के राम भक्त रामलला के बन रहे भव्य मंदिर निर्माण में बढ़-चढ़कर दान दे रहे थे। लेकिन अब विदेशों में बैठे राम भक्त भी रामलला के मंदिर निर्माण में अपना दान दे सकते हैं। इसके लिए तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बाकायदा तैयारी भी कर ली है। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुताबिक प्रतिमाह राम भक्त राम लला को लगभग डेढ़ करोड़ रुपए महीने दान दे रहे हैं वही अब विदेशों में रहने वाले आप्रवासी भारतीय के लिए भी तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बड़ी खुशखबरी दी है। दरअसल अभी तक पूरे देश के राम भक्त ही अपने आराध्य के बन रहे है। भव्य मंदिर निर्माण में अंशदान दे रहे थे। अब विदेशों में रह रहे भारतीय आप्रवासी राम भक्त भी अपने आराध्य के बन रहे भव्य मंदिर निर्माण में दान दे सकेंगे। इसके लिए तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने एक बड़ी पहल की है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को देश से बाहर रहने वाले राम भक्तों से अंशदान या सहयोग मिल सके। इसके लिए औपचारिकताओं को लगभग पूरा कर लिया गया है। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने कहा कि नवंबर माह से विदेशों में रहने वाले राम भक्त भी रामलला के मंदिर निर्माण में बढ़-चढ़कर दान दे सकते हैं।

# एमएसपी पर किसानों से सरकार ने नहीं की बातचीत तो हाईवे किया जाम

### -फिर से हालात तनावपूर्ण होने की आशंका, किसानों ने किया आंदोलन का फैसला

**कुरुक्षेत्र (एजेंसी)।** हरियाणा सरकार ने किसानों से एमएसपी पर कोई बातचीत नही की। बदले में किसानों ने फिर से आंदोलन करने का फैसला लिया है। इसी के मद्देनजर सोमवार को हावे जाम कर दिया गया। गौरतलब है कि हरियाणा के कुरुक्षेत्र में चंद रोज पहले न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सूरजमुखी की खरीद को लेकर बवाल हुआ था। इस दौरान किसानों ने हाईवे जाम कर दिया था, जिसके बाद पुलिस ने किसानों पर लाठियां भांजी थी। अब इसी मुद्दे पर सोमवार को कुरुक्षेत्र में एक बार फिर से किसानों की महापंचायत हुई है। किसानों ने सरकार को सोमवार दो बजे का अल्टीमेटम दिया था कि सरकार आकर बातचीत करे। लेकिन सरकार की तरफ से कोई बातचीत के लिए नहीं पहुंचा और ऐसे में अब किसानों ने पिपली में दिल्ली-चंडीगढ़-अमृतसर हाईवे जाम कर दिया है। पिपली में यह महा पंचायत हुई है।

ऐसे में अब दोबारा हालात तनावपूर्ण होने के आसार बन गए हैं। महापंचायत के दौरान किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि एमएसपी से कम फसल की खरीद ना हो और केंद्र सरकार एमएसपी गारंटी कानून बनाए। एमएसपी गारंटी कानून देश में बनना चाहिए। राकेश टिकैत ने काह कि एमएसपी गारंटी कानून को लेकर बड़े आंदोलन होंगे। आज के समय में किसान-दुकानदार हर वर्ग दुखी है। उन्होंने हरियाणा सरकार से मांग की कि गिरफ्तार किए गए सभी किसानों को जल्द से जल्द रिहा किया जाए। एमएसपी गारंटी कानून सरकार जल्द से जल्द लागू करें। फिलहाल, कुरुक्षेत्र में जीटी रोड जाम करने के लिए किसानों ने अनाज मंडी से निकलना शुरू हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, किसान नेता बलबीर राजेवाल, राकेश टिकैत और कुश्ती खिलाड़ी बजरंग पुनिया किसान महापंचायत में पहुंचे गए हैं।

इधर हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी का बड़ा बयान ने पूरे मसले पर कहा कि हरियाणा को अखाड़ा ना बनाए। कृषि मंत्री ने कांग्रेस, केजरीवाल और किसान नेताओं को नसीहत है। किसान महापंचायत पर जेपी दलाल ने कहा कि देश में किसान हित में सबसे ज़्यादा योजनाए हरियाणा में चल ही हैं। किसानों के नाम पर राजनीति करने वाले पंजाब और यूपी के नेता हरियाणा को अखाड़ा ना बनाएं। कल ही सीएम ने कुरुक्षेत्र में 20 हजार मीट्रिक टन सूरजमुखी का तेल निकलने तक लिए मिल लगाने की घोषणा की है। कुछ लोग हरियाणा को अखाड़ा बनाकर किसानों को बदनाम कर रहे हैं।

## विपक्ष के नेता अजित पवार की हैसियत सीएम के बराबर : सुप्रिया सुले

**- एनसीपी की नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने पवार को बताया अगला सीएम**

**पुणे (एजेंसी)।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने अजित पवार को अगला सीएम घोषित कर दिया है। उन्होंने अपनी पदोन्नति के बाद अपने चचेरे भाई अजीत पवार के 'नाखुश' होने के दावों का खंडन किया और उन्हें 'गॉसिप' करार दिया। गौरतलब है कि 10 जून को एनसीपी के स्थापना दिवस पर पार्टी प्रमुख शरद पवार ने अपनी बेटी सुप्रिया सुले और वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया था। कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में काम करने के अलावा सुप्रिया सुले को महाराष्ट्र का प्रभारी भी बनाया गया। उस पद को पहले अजीत पवार संभाल रहे थे। सुप्रिया सुले ने कहा कि 'कौन कहता है कि अजीत पवार खुश नहीं हैं, क्या किसी ने उनसे पूछा है? ये रिपोर्ट गॉसिप हैं।' वहीं अजीत पवार को दरकिनार किए जाने की अफवाहों को खारिज करते हुए सुले ने कहा कि 'वह विपक्ष के नेता हैं, जो मुख्यमंत्री के पद के बराबर है।' सुप्रिया सुले ने संकेत दिया कि अगर पार्टी को महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के सहयोगियों के बीच सबसे अधिक सीटें मिलती हैं, तो उनके चचेरे भाई और विपक्ष के नेता अगले मुख्यमंत्री हो सकते हैं।

इससे पहले सुप्रिया सुले ने पुणे का दौरा किया और पार्टी के कई कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। पुणे में कार्यकर्ताओं ने सुप्रिया सुले का अभिनंदन भी किया। पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद सुप्रिया सुले की पुणे की यह पहली यात्रा थी। वहीं अजित पवार ने भी अपने असंतोष की खबरों को खारिज करते हुए कहा था कि वह पार्टी के फैसले से खुश हैं। अजित पवार ने संवाददाताओं से कहा कि था कि 'कुछ मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि मैं नाखुश हूं कि पार्टी ने मुझे कोई जिम्मेदारी नहीं दी, यह गलत है। हमारी समिति उस समय बनाई गई थी, जब शरद पवार ने इस्तीफा दे दिया था। उस समय दो फैसले लिए जाने थे। पहला शरद पवार से अपना इस्तीफा वापस लेने के लिए अनुरोध करना था और दूसरा सुप्रिया सुले को एक कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करना था।

## सिद्धू की जादू की जफ्फी से फिर बवाल, कांग्रेस में गर्माया माहौल

**- कांग्रेस के कई सीनियर नेताओं ने सिद्धू को निशाने पर लिया**

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** निदा फाजली का एक शेर है 'दुश्मनी लाख सही खत्म न कीजे रिश्ता, दिल मिले या न मिले हाथ मिलाते रहिए।' यह शेर एक उम्र के बाद भी पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू द्वारा अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के साथ हाल ही में जफ्फी डालकर गर्मजोशी से गले मिलने पर सटीक बैठता है। पंजाब के लोगों ने हाल ही में जब यह करिश्मा देखा तो हर कोई भौचक्का रह गया। दोनों नेताओं में जितनी कड़वाहट थी, खासकर सिद्धू द्वारा मजीठिया पर की गई टिप्पणियों से जो खटास पैदा हुई थी, उसके बाद किसी को उम्मीद नहीं थी कि इनके रिश्ते कभी सुधर भी सकते हैं। अकाली दल की ओर से तो कोई प्रतिक्रिया नहीं आई मगर कांग्रेस के कई सीनियर नेताओं ने सिद्धू को निशाने पर ले लिया है। कांग्रेस में मंत्री व प्रधान रहते सिद्धू ने मजीठिया पर निजी हमले करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। दोनों में राजनीतिक रंजिश यहां तक पहुंच गई थी कि मजीठिया ने अपना मजीठा हलका छोड़ सिद्धू के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा था।

यह पहला मौका नहीं, जब सिद्धू की जफ्फी से बवाल हुआ हो। पाक के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के शपथ ग्रहण में वहां के सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के साथ मंच पर उनकी जफ्फी के वीडियो ने भी काफी विवाद खड़ा किया था। विपक्षी दलों के अलावा कांग्रेस के भी कई नेताओं ने तब उन पर निशाना साधा था। अब इन दोनों नेताओं की जादू की जफ्फी पर पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद रवनीत बिट्टू ने सिद्धू के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बिट्टू ने कहा कि सिद्धू की इस जफ्फी से कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं की भावनाएं आहत हुई हैं, मजीठिया के चक्कर में ही सिद्धू ने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस मार दी। बिट्टू यहां तक कह गए, कांग्रेस में आते ही पहले उन्हें स्थानीय निकाय मंत्री और फिर प्रदेश प्रधान बनाया गया।

## तूफान बिपारजॉय : स्थिति की लगातार समीक्षा कर रहा गृह मंत्रालय, एनडीआरएफ की 12 टीमें तैनात

**वाराणसी (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को चक्रवाती तूफान बिपारजॉय को लेकर एक बड़ी समीक्षा बैठक की। माना जा रहा है कि यह चक्रवात बृहस्पतिवार को गुजरात के कच्छ क्षेत्र में दस्तक दे सकता है। कच्छ, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, राजकोट, जूनागढ़ और मोरबी में 15 जून सुबह से शाम तक 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार की हवाओं के साथ तूफान आ सकता है और हवा की रफ्तार 145 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

### समीक्षा बैठक में क्या हुआ

चक्रवात बिपारजॉय को लेकर समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संवेदनशील स्थानों में रहने वाले लोगों की निकासी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय किए जाएं। उन्होंने कहा कि नुकसान की स्थिति में तत्काल सेवा बहाल करने की तैयारियों के साथ आवश्यक सेवाओं का रखरखाव सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्रालय चक्रवात बिपारजॉय की स्थिति की लगातार समीक्षा कर रहा है; एनडीआरएफ की 12 टीम तैनात है, 15 और टीम तैयार है।

### दिए यह निर्देश

पीएम मोदी ने वरिष्ठ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय करने का निर्देश दिया कि राज्य सरकार द्वारा कमजोर स्थानों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित रूप से निकाला जाए और बिजली, दूरसंचार, स्वास्थ्य, पेयजल आदि जैसी सभी आवश्यक सेवाओं का रखरखाव सुनिश्चित किया जाए और क्षति की स्थिति में उन्हें तत्काल बहाल किया जाए। उन्होंने नियंत्रण कक्षों के 24*7 कार्य करने का भी निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री को चक्रवात से निपटने के लिए गुजरात सरकार द्वारा किए गए उपायों के बारे में भी जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री स्तर पर जिला प्रशासन के साथ समीक्षा बैठकें की जा चुकी हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राज्य का पूरा प्रशासन तंत्र मुस्तैद है. साथ ही, कैबिनेट सचिव और गृह सचिव गुजरात के मुख्य सचिव और संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों/एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

## हिमाचल में राहुल गांधी पर बरसे नड्डा, कहा- मोदी का विरोध करते करते देश का विरोध करने लगे कांग्रेस के युवराज

**जबलपुर (एजेंसी)।** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने कांगड़ा में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि भाजपा देश की अकेली पार्टी है जो विचारों पर चलती है, बाकी सभी दल वैचारिक रूप से शून्य हो गए हैं। उन्होंने कहा कि कुर्सी के लिए ये दल किसी भी तरह का समझौता करने को तैयार हैं। आज तो सीपीएम और कांग्रेस भी हाथ मिला कर चुनाव में उतरते हैं। कहां गए इन दोनों के विचार? लेकिन भाजपा ऐसी नहीं है।

### हमने धारा-370 को हटाया

नड्डा ने कहा कि अगर हमने 1952 में एक देश-एक संविधान की बात कही तो 2019 में हमने धारा-370 को हटा कर ऐसा कर के दिखाया। उन्होंने कहा कि अन्य पार्टियों की तरह कांग्रेस भी अब मां-बेटा और बेटी की पार्टी रह गई है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि आप भाग्यशाली हैं कि आप एक ऐसी पार्टी में हैं जहां प्रजातांत्रिक तरीके से, विचारों के साथ जुड़ कर के आपको काम करने का मौका मिलता है।

### कांग्रेस पर वार

नड्डा ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले भ्रष्टाचार से युक्त सरकार में घोटाले ही घोटाले थे लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्कैम से निकल कर स्कीम वाली सरकार देश में बनी। उन्होंने कहा कि आज एक मजबूत सरकार, दमदार सरकार, निर्णायक सरकार के रूप में मोदी सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का युवराज देश की गरिमा को गिराने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा। मोदी जी का विरोध करते करते ये देश का विरोध करने लगे हैं। वो (कांग्रेस पार्टी) भारत की परम्पराओं और संस्कृति का मजाक उडाते हैं। आप बोलते हो कि भारत जोड़ेंगे... अरे आपने भारत को तोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि टुकड़े-टुकड़े का नारा लगाने वालों के साथ आप खड़े हो गए। आपको देश से माफी मांगनी ही पड़ेगी। राहुल गांधी नफरत का मेगा शॉपिंग मॉल खोल कर बैठें हैं।

### भाजपा कार्यालयों का 'श्री गणेश'

नड्डा ने कहा कि मैं सबसे पहले हिमाचल की देवभूमि को अपना आशीर्वाद दे रहे सभी देवी-देवताओं का अपना सादर नमन करता हूं। यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे नूरपुर और पालमपुर के भाजपा कार्यालयों का 'श्री गणेश' करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के कार्यालय 'संस्कार के केंद्र' हैं। आप सभी इन संस्कार केंद्रों से संस्कार लें और इनका सदुपयोग करते हुए कमल का परचम लहराएं... भारतीय जनता पार्टी को आगे बढ़ाएं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

# गुजरात में तूफानी चक्रवात 'बिपरजॉय'की रफ्तार हुई तेज,एनडीआरएफ सतर्क

## सरकार जुटी तैयारी में,15 जून को भारी बारिश के साथ कच्छ तट पर पहुंचने वाला है तूफान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

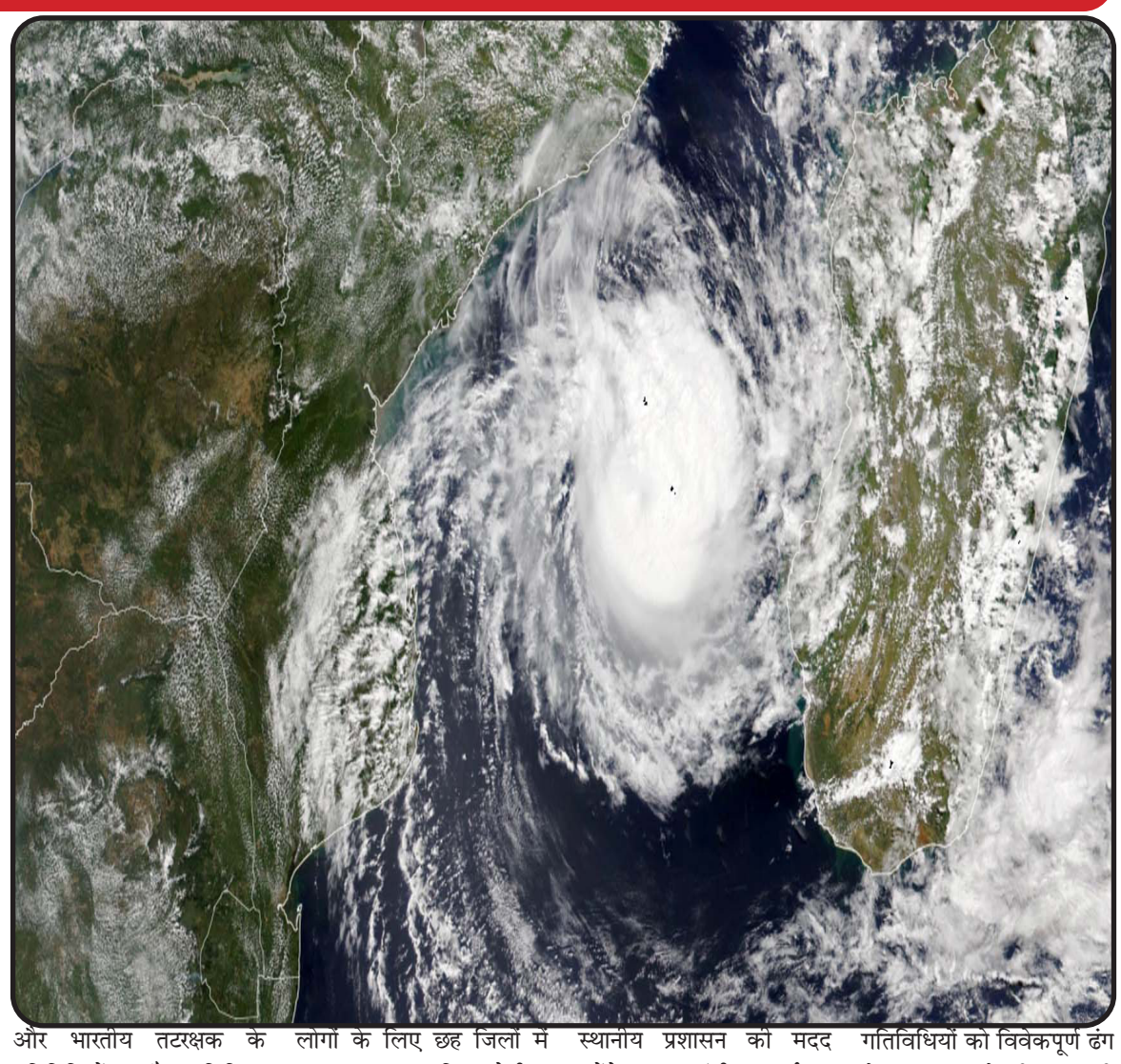

अहमदाबाद, भारी बारिश के बीच चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' के कच्छ जिले और पाकिस्तान के कराची तट पर पहुंचने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार यह 15 जून को पहुंचने वाला है। तूफान के मद्देनजर गुजरात सरकार राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) एवं राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के दलों को तटीय इलाकों में तैनात कर रही है तथा छह जिलों में आश्रय केंद्र स्थापित करेगी। हालां?कि तूफान तटीय क्षेत्र में किस स्थान पर जमीन से टकराएगा, उसके बारे में आने वाले दिनों में स्थिति स्पष्ट होगी। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि 13 से 15 जून के बीच भारी बारिश होने और 150 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार तक हवा बहने से कच्छ, जामनगर, मोरबी, गिर सोमनाथ, पोरबंदर, और देवभूमि द्वारका जिलों के चक्रवात से प्रभावित होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि सौराष्ट्र-कच्छ और कराची तट से 15 जून को दोपहर 125-130 किमी प्रति घंटा से लेकर 150 किमी प्रति घंटा तक की गति वाली हवा के साथ चक्रवात के गुजरने की अत्यधिक संभावना है।

इस संबंध में राहत आयुक्त आलोक पांडे ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने तटीय जिलों के जिलाधिकारी, सेना, नौसेना और भारतीय तटरक्षक के प्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की है। इसके ?लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे तटीय जिलों में चक्रवात के प्रभाव को कम करने के लिए पहले से तैयारी करें और समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि इसके प्रभाव से निपटने के लिए गुजरात सरकार तटीय क्षेत्रों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की कई टीम को तैनात कर रही है। साथ ही, सरकार तट रेखा से 5-10 किमी के दायरे में रहने वाले लोगों के लिए छह जिलों में आश्रय स्थल स्थापित करेगी।

आयुक्त आलोक पांडे ने कहा ?कि बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को चक्रवात से प्रभावित होने की संभावना वाले जिलों के जिलाधिकारियों के साथ समन्वय में अधिकतम संभव राहत व बचाव कार्य करने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री ने यह जिम्मेदारी तटीय जिलों के वरिष्ठ मंत्रियों को दी है, जो चक्रवात के संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए आपदा प्रबंधन कार्य की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने में स्थानीय प्रशासन की मदद करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में ऋषिकेश पटेल, कानूभाई देसाई,राघवजी संघवी, जगदीश विश्वकर्ता और पुरषोत्तम सोलंकी को उन जिलों में पहुंचने का निर्देश दिया है, जहां की उन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं ने कच्छ, देवभूमि, द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, राजकोट, जूनागढ़ और मोरी जिलों में 14 और 15 जून को भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है।

आईएमडी ने समुद्र में उतरे लोगों को तट पर लौटने और अपतटीय एवं तटवर्ती गतिविधियों को विवेकपूर्ण ढंग से नियंत्रित करने की सलाह दी है। सौराष्ट्र और कच्छ तट से लगे समुद्र में जल बुधवार तक अस्थिर रहेगा और गुरुवार को यह और बढ़ जाएगा।

मौसम विभाग ने कहा है ?कि इस तरह की जानकारी के मद्देनजर, राज्य सरकारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखें, नियमित रूप से स्थिति की निगरानी करें और उचित एहतियाती कदम उठाएं। वहीं जिला अधिकारियों को स्थिति के अनुसार कदम उठाने की सलाह दी गई।

# उड़ीसा से सूरत गांजा पहुंचाने का घोटाला पकड़ा गया, सुपुर्दगी करने गए ओर रंगे हाथों पकडे गए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर में कोसंबा पुलिस ने 75.26 लाख रुपये कीमत का 752.649 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। कोसांबा पुलिस ने एक विशेष गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, कुंवरदा गांव के बाहरी इलाके में शिव शक्ति रेजीडेंसी से वाहनों में छिपेमारी कर रखा हुआ 75.26 लाख रुपये के मूल्य का 752.649 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। इसी के साथ इस घटना में पुलिस ने केदारनाथ प्रकाश चंद्र महंती, बलराम कोराप्रसाद महंती, शिवराम भास्कर गौड़ा और संतोष बापूजी महंती को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके पर से 75.26 लाख रुपये का गांजा, 99,500 रुपये के 8 मोबाइल और 5.50 लाख रुपये के 5 वाहन और 36,670 नकदी सहित कुल 82.12 लाख रुपये का मालसामान बरामद किया है। साथ ही पुलिस ने इस घटना में सामान भेजने वाले गौरी शंकर प्रकाशचंद्र महंती व केआरटी को वांछित घोषित कर कानूनी कार्रवाई की गई है।

पुलिस जांच में पता चला कि गिरफ्तार चारों आरोपियों में केदारनाथ प्रकाशचंद्र महंती छुटक और थोक दोनों में गांजा बेचता था। साथ ही उसका भाई वांछित आरोपी गौरीशंकर प्रकाशचंद्र महंती ओरिस्सा से गांजा वांछित आरोपी के.आर.

टी. से खरीदकर भेजता था। केदारनाथ खुद ओर उसके भाई जिसको को फोन पर थोक में देने के लिए कहता था, उसे बेच देता था।

आरोपी केदारनाथ ने इतनी मात्रा में गांजा सप्लाई करने के लिए शिबाराम, संतोष व बलराम को काम पर रखा था और उनके माध्यम से वह अपने भाई गौरी शंकर द्वारा खरीदे गए गांजे की मात्रा छोटाहाथी टेंपो व आल्टो कार, एक्टिवा व अपने दोस्त की बाइक से सप्लाई करता था। पुलिस द्वारा वर्तमान में जब्त किये गए गांजे का जत्था गौरीशंकर ने के.आर. टी. से खरीदकर उसे ट्रक द्वारा कामरेज क्षेत्र में नेशनल हाईवे नं. 48 पर स्थित राज होटल से छोटाहाथी टेम्पो में भरकर कुंवरदा गांव में स्थित शिवशक्ति रेजीडेंसी में एक मकान किराए पर लिया था।

वही पर छोटा हाथी टेम्पो, आल्टो कार व एक अन्य एक टेम्पो में रखकर वहां से थोक व फुटकर बेचने जा रहा था। फिलहाल इस पूरे मामले में कोसंबा थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस द्वारा गहनता से जांच की जा रही है।

# सूरत शहर में 24 घंटे में 10 जगहों पर गिरे पेड़, वाहनों को नुकसान, कोई हताहत नहीं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

चक्रवात बिपोरजॉय का असर सूरत शहर में भी दिखाई दे रहा है। वातावरण में बदलाव के कारण हवा की गति में वृद्धि दर्ज की जा रही है। देर रात तेज हवा चल रही थी मानो शहर में तूफान आ गया हो। समुद्र में करंट के साथ ऊंची-ऊंची लहरें भी उठ रही थीं। पिछले 24 घंटे में शहर में करीब 10 जगहों पर पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आई थी।

अग्निशमन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में अलथान धीरज संस के पास, लसकाना मार्सेत इन्डस्ट्रीज के पास, घोड़दोड रोड आदर्श सोसाइटी के पास, अडाजन पवित्रा रो हाउस के पास, न्यू सिटी लाइट रोड अणुव्रत द्वार के पास, अठवालाइन गोकुलम डेयरी के पास, रंगर गोपीनाथ सोसाइटी, अडाजन बापस मंदिर के पास समेत करीब 10 जगहों पर पेड़ गिरे हुए पाए गए थे।

अडाजन आनंद महल रोड के पास चार पहिया वाहन पर पेड़ गिरा था, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गयी थी। हालांकि गनीमत रही कि कहीं से भी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पेड़ गिरने की घटना को लेकर दमकल विभाग लगातार दौड़ रहा था। दमकल विभाग भी अलर्ट मोड में काम कर रहा है क्योंकि आने वाले घंटों में तूफान के और असर की पूरी संभावना है।

# चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' के संकट को लेकर जीरो कैजुअल्टी के दृष्टिकोण से करें कार्यः गृह राज्य मंत्री

## हर्ष संघवी ने द्वारका जिले में संभावित चक्रवात से पूर्व जिला प्रशासन के सतर्कता कार्यों की समीक्षा की

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से संभावित चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' के संबंध में पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। ऐसे में, गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने सोमवार को खंभालिया के कलक्टर कार्यालय में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ चक्रवात पूर्व सुरक्षा एवं राहत-बचाव कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की। गृह राज्य मंत्री ने सभी अधिकारियों से चक्रवात के संदर्भ में पूर्व तैयारियों को लेकर जानकारी हासिल की और जीरो कैजुअल्टी के दृष्टिकोण के साथ कार्य करने का आदेश दिया। विशेषकर बिजली, जल वितरण सुविधा और संचार नेटवर्क जैसी प्राथमिक जरूरतों को जल्द से जल्द बहाल करने के संबंध में विशेष एहतियात बरतने को कहा। उन्होंने तटीय क्षेत्रों में नागरिकों की स्थानांतरण प्रक्रिया को तुरंत करने और शेल्टर होम में सभी जीवन आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर भी सतर्कता बरतने को कहा। इसके अलावा, उन्होंने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए सभी व्यवस्थाएं करने को कहा। उन्होंने मौसम विभाग द्वारा तटीय इलाकों में तेज हवाएं चलने की भविष्यवाणी के मद्देनजर पुलिस विभाग को लगातार गश्त कर यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी व्यक्ति समुद्र तट की ओर न जाए। इसके अतिरिक्त माइक वाले वाहनों की मदद से तटीय क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार कर नागरिकों को इस संबंध में जागरूक करने को भी कहा। नागरिकों को किसी तरह की अफवाह पर भरोसा किए बिना प्रशासन द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निर्देशों का पालन करने तथा संभावित चक्रवात के पूर्वानुमान के चलते जिले एवं अन्य स्थानों से नागरिकों को 16 जून तक करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र देवभूमि द्वारका की यात्रा करने से बचने की अपील की गई है। इस बैठक में जिला कलक्टर अशोक शर्मा, जिला विकास अधिकारी एसडी धानाणी, पुलिस अधीक्षक नितेश पांडेय, पुलिस उपाधीक्षक परमार, निवासी अतिरिक्त कलक्टर भूपेश जोटाणिया, जिला भाजपा अध्यक्ष मयुर गढवी, अग्रणी रसिकभाई नकुम, प्रतापभाई पिंडारिया सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# मुख्यमंत्री ने गोलथरा प्राथमिक विद्यालय में 124 बच्चों का स्कूल में नामांकन कराया गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल दो दिवसीय राज्यव्यापी शाला प्रवेशोत्सव 2023 के पहले दिन सोमवार को अचानक गांधीनगर ज़िले में कलोल तहसील के गोलथरा प्राथमिक विद्यालय पहुँच गए। समग्र राज्य में 12 व 13 जून को आयोजित हो रहे शाला प्रवेशोत्सव के अंतर्गत भूपेन्द्र पटेल गोलथरा प्राथमिक विद्यालय में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के बिना अचानक ही पहुँच गए।

मुख्यमंत्री को स्कूल में अचानक आया देख शिक्षकों, बच्चों और अभिभावकों ने आनंद-सह-आश्चर्य की अनुभूति की। मुख्यमंत्री ने गोलथरा प्राथमिक विद्यालय में प्रतीक के रूप में दो बच्चों का कक्षा 1 तथा बालवाटिका में प्रवेश करवाया तथा शाला प्रवेश किट का वितरण किया। शाला प्रवेशोत्सव के अंतर्गत गोलथरा तथा लक्ष्मीपुरा प्राथमिक विद्यालयों में बालवाटिका में 95, आँगनबाड़ी में 14 और कक्षा 1 में 5 बच्चों का नामांकन हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने एनएनएमएस में ज़िले में प्रथम आई गोलथरा प्राथमिक विद्यालय की छात्रा का सम्मान किया तथा प्राथमिक शाला स्कॉलरशिप परीक्षा में प्रथम क्रम पाने वाली बेटी को भी सम्मानित किया। गांधीनगर ज़िले में शाला प्रवेशोत्सव के अंतर्गत 601 विद्यालयों में आँगनबाड़ी, बालवाटिका तथा कक्षा में कुल लगभग 14,667 बच्चों का नामांकन कराया जाएगा। यहाँ उल्लेख करना आवश्यक है कि राज्यव्यापी शाला प्रवेशोत्सव के अंतर्गत इस वर्ष कक्षा 1 में लगभग 2.30 लाख तथा बालवाटिका में 9.77 लाख सहित लगभग 12.70 लाख बच्चों का स्कूल प्रवेश कराया जाएगा।

**शाला प्रवेशोत्सव-2023 के तहत बालवाटिका और कक्षा 1 में कुल 12.70 लाख बच्चों का स्कूल में नामांकन कराया जाएगा**

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गोलथरा प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के साथ एक अभिभावकीय वात्सल्य भाव से सहज संवाद किया।

उन्होंने बच्चों को स्कूल में दिए जाने वाले भोजन के बारे में पूछताछ की तथा बच्चों के साथ प्रश्नोत्तरी करते हुए यह जानकारी प्राप्त की कि बच्चे टीवी देखने के लिए तथा घर में अभ्यास के लिए कितना समय देते हैं और माता-पिता के प्रति बच्चों का व्यवहार कैसा है? मुख्यमंत्री ने स्कूल में बच्चों को किसी नवीन सुविधा की आवश्यकता के बारे में पूछताछ की, तो बच्चों ने गाँव में ही कक्षा 8 के बाद की पढ़ाई के लिए स्कूल शुरू होने की भावना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री ने स्कूल के मैदान में स्लाइड (फिसलनपट्टी), झूले जैसे खेल संसाधन देने की दिशा में भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

मुख्यमंत्री ने शाला प्रवेशोत्सव के बाद स्वच्छ तथा बच्चों के अभिभावकों के साथ बैठक की और स्कूल में अन्य सुविधाएँ स्थापित करने संबंधी सुझाव प्राप्त कर परामर्श किया। विद्यालय के आचार्य श्री केतनभाई सहित शिक्षकगण भी इस अवसर पर सहभागी हुए।